हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 | अंक - 02 | बेमेतरा, मंगलवार 19 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 10 | मूल्य - 5 रूपये

पहला कॉलम

पटना में एक और हत्या से दहशत, 19 साल के छात्र को अज्ञात अपराधियों ने मारी गोली

पटना। पटना शहर एक और हत्याकांड से दहल उठा है। बिहार की राजधानी में एक 19 साल के छात्र की हत्या कर दी गई। छात्र की पहचान राज कृष्णा के रूप में हुई। पुलिस को घटनास्थल से कारतूस का खोखा बरामद हुआ है। साथ ही, जांच के लिए एफएसएल टीम बुलाई गई है। जानकारी सामने आई कि सुबह लगभग 19 वर्षीय छात्र राज कृष्णा को एक गोली लगी थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पटना पुलिस ने बताया कि अज्ञात अपराधियों ने युवक को गोली मारकर घायल किया था। पटना पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, 17 अगस्त की सुबह में गर्दनीबाग थाना अंतर्गत सरिस्ताबाद मोड के पास अज्ञात अपराधियों की ओर से एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल करने की सूचना मिली थी।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

जौनपुर। जिले के लाइनबाजार थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बेलवा रामसागर गांव के मोड़ पर रात को एक बाइक ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। बताते है कि बेलवा रामसागर गांव निवासी 22 वर्षीय शुभम अपनी बाइक पर 24 वर्षीय जय गौतम और दीपक गौतम के साथ कुडवां तिराहे से घर लौट रहे थे। गांव में जन्माष्टमी की पूजा चल रही थी।शुभम,जय सिंह तथा दीपक तीनो प्रसाद के लिए मिठाई लेने चले गए।लौटते समय गांव के गेट के पास एक ट्रैक्टर ट्राली खड़ी थी। इसी दौरान सामने से आ रही एक चार पहिया वाहन की लाइट से बाइक चला रहे शुभम की आंखें चौंधिया गईं। शुभम बाइक को संभाल नहीं पाया और खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गया। हादसे में तीनों युवक गिर गए। शुभम और जय गौतम की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों को तुरंत जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने शुभम और जय को मृत घोषित कर दिया।

नर्मदा नदी में तैरती मिली दो लाशें, जांच में जुटी पुलिस

हरदा। मध्य प्रदेश के नर्मदा नदी में तैरती हुई दो लाश मिली। जिसके देख लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर अस्पताल भिजवा दिया है। यह हत्या है आत्महत्या, फिलहाल इसका कारण अज्ञात है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तमाम पहलुओं पर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। हरदा जिले के हंडिया क्षेत्र से सनसनीखेज मामला सामने आया। जहां नर्मदा नदी में दो लाशें तैरती हुई दिखाई दी। जिन्हें देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को नदी से बाहर निकाला।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एकजुट हुआ एनडीए

सीपी राधाकृष्णन को नीतीश से लेकर नायडू तक का समर्थन....

नई दिल्ली/ एजेंसी

एनडीए ने उपराष्ट्रपति पद के लिए सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया, जिन्हें नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू सहित प्रमुख सहयोगियों का पूर्ण समर्थन मिला है। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए का उम्मीदवार नामित करने के फैसले का स्वागत किया है। कुमार ने कहा कि जेडी(यू) इस चुनाव में राधाकृष्णन का समर्थन करेगा। नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर एनडीए उम्मीदवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए के उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने के निर्णय का स्वागत है। जदयू सी ?पी ? राधाकृष्णन जी का समर्थन करेगा। उन्हें शुभकामनाएं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के

उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने का स्वागत किया है। एनडीए के एक घटक दल, तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख नायडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राधाकृष्णन एक वरिष्ठ नेता हैं जिन्होंने ईमानदारी और जनसेवा के मूल्यों को निरंतर कायम रखा है। उन्होंने कहा कि उनका लंबा राजनीतिक जीवन राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत है। रविवार रात एक्स पर एक पोस्ट में नायडू ने कहा कि एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में राधाकृष्णन को नामित किए जाने पर बधाई। एक वरिष्ठ राजनेता और सम्मानित नेता के रूप में, उन्होंने लंबे समय तक देश की विशिष्ट सेवा की है। आंध्र के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनकी पार्टी राधाकृष्णन के नामांकन का हार्दिक स्वागत करती है और अपना पूरा समर्थन देती है। इसी तरह, उप-मुख्यमंत्री कल्याण ने राधाकृष्णन की उम्मीदवारी पर बधाई दी। उन्होंने कोयंबटूर से दो बार सांसद, झारखंड के राज्यपाल और वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में उनके सफ़र पर प्रकाश डाला, जो लोकतांत्रिक संस्थाओं को मज़बूत करने के प्रति समर्पण, नेतृत्व और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पीएम मोदी से मिले राधाकृष्णन, एनडीए ने बनाया है उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी.....

उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी चुने जाने के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन दिल्ली दौरे पर पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास जाकर पीएम मोदी से मुलाकात की। बता दें कि राधाकृष्णन चार दशकों से अधिक समय से राजनीतिक, सामाजिक और सांविधानिक जीवन में सक्रिय हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर तस्वीरें शेयर कर लिखा, राधाकृष्णन जी से मुलाकात कर उन्हें एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उनकी लंबी जनसेवा और विभिन्न क्षेत्रों का अनुभव हमारे राष्ट्र को समृद्ध करने में मदद करेगी। ईश्वर करे कि वे उसी समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहें जो उन्होंने हमेशा दिखाया है। गौरतलब है कि कल भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पीएम मोदी की मौजूदगी में हुई हृष्ट की बैठक के बाद राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा की थी। तमिलनाडु से आने वाले सीपी राधाकृष्णन लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। जुलाई, 2024 में महाराष्ट्र के राज्यपाल बने राधाकृष्णन के खिलाफअभी विपक्ष ने अपने प्रत्याशी का एलान नहीं किया है।

नहीं मिटने देंगे पहचान

राहुल गांधी बोले-वोट चोरी का नया हथियार है एसआईआर.....

नई दिल्ली/एजेंसी

बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एसआईआर पर उठे सभी सवालों का जवाब दिया। लेकिन इसके बाद भी राहुल गांधी लगातार एसआईआर के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वोट चोरी का नया हथियार करार दिया और कहा कि वह 'एक व्यक्ति, एक वोट' के अधिकार की रक्षा के लिए खड़े हैं। राहुल गांधी ने अपनी वोटर अधिकार यात्रा के दूसरे दिन यह भी कहा कि लोकतंत्र में सबकी भागीदारी को किसी भी हाल में खत्म नहीं होने दिया जाएगा। राहुल गांधी ने दूसरे दिन की यात्रा औरंगाबाद के कुटुंबा से शुरू की और आज की यात्रा का समापन गया में होगा। कुटुंबा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार का विधानसभा क्षेत्र है।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के साथ इस यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी और महागठबंधन के कई अन्य नेता शामिल हैं। यात्रा के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने औरंगाबाद स्थित प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर में दर्शन किए। राहुल गांधी ने ऐसे कई लोगों से मुलाकात की एक तस्वीर अपने व्हाट्सएप चैनल पर साझा की जिनके नाम एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए, जबकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। कांग्रेस नेता ने कहा, एसआईसीआर वोट चोरी का एक नया हथियार है। इत्तेफ़ाक से इस तस्वीर में मेरे साथ खड़े ये लोग इस चोरी के जीते-जागते सबूत हैं।

किस क्षेत्र पर क्या होगा असर

जीएसटी के ढांचे में व्यापाक सुधार से बाजार में बढ़ेगी मांग

मुंबई/एजेंसी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली से पहले जीएसटी के ढांचे में बड़े सुधारों का एलान किया। बाजार विशेषज्ञ का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार अब ऐतिहासिक एसएंडपी रेटिंग अपग्रेड करने, आगामी जीएसटी सुधारों, ट्रंप-पुतिन के बीच बातचीत से संभावित भू-राजनीतिक स्थिरता के कारण सकारात्मक दिशा में अग्रसर है। विशेषज्ञ कहते हैं कि जीएसटी में व्यापक सुधार केवल इसे आसान नहीं बनाएगा बल्कि यह कदम ऑटो, स्टेपल, टिकाऊ वस्तुओं, सीमेंट, वित्तीय और उपभोक्ता सेवाओं के लिए मांग समीकरणों को सीधे बदल सकता है। ये वो क्षेत्र हैं जो वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में कंपनियों की आय में सुधार के चक्र का नेतृत्व कर सकते हैं। एचडीएफ़सी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च प्रमुख देवर्ष वकील कहते हैं, पिछले साल जुलाई 2024 से भारत के बेंचमार्क सूचकांकों ने वैश्विक सूचकांकों की तुलना में कम प्रदर्शन किया है, सालान आधार पर (जुलाई 2024-जुलाई 2025) 0.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, जबकि अमेरिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों ने इस अवधि में पर्याप्त लाभ दर्ज किया है।

ऑटो, सीमेंट, वित्त व उपभोक्ता सेवाओं की मांग में हो सकता है इजाफा

रिसर्च कंपनी मोतीलाल ओसवाल के अनुसार सरकार द्वारा घोषित 2.0 के जीएसटी सुधारों में उपभोग की गतिशीलता को फ़िर से शुरू होने और कई क्षेत्रों को लाभ मिलने की संभावना है। सुधार केवल एक व्यापक बढ़ावा नहीं है। वे ऑटो स्टेपल, टिकाऊ वस्तुओं, सीमेंट, वित्तीय और उपभोक्ता सेवाओं के लिए मांग समीकरणों को सीधे बदल सकता है। यह क्षेत्र मिलकर वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में आय सुधार चक्र को नेतृत्व कर सकते हैं। मोतीलाल ओसवाल के विशेषज्ञ के अनुसार प्रमुख क्षेत्र की कंपनियों को जीएसटी सुधार से होने से फायदा होगा और वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में बड़े लाभ मिल सकते हैं।

पत्नी का कत्ल कर खुद थाने पहुंचा पति, बोला- 'उसे मार दिया है, मुझे गिरफ्तार करो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या करने के बाद खुद पुलिस थाने जाकर सरेंडर कर दिया। आरोपी ने थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों से कहा, मैंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है, मुझे गिरफ्तार कर लो। इस कबूलनामे से पुलिस भी हैरान रह गई। यह घटना उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके की एक झुग्गी बस्ती की है। पुलिस के अनुसार, आज (रविवार) एक व्यक्ति थाने पहुंचा और उसने अपनी 24 वर्षीय पत्नी की हत्या करने की बात कबूल की।

लोकतंत्र की सभी शक्तियों का इस्तेमाल करेंगे

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर विचार,विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक में चर्चा

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार करने के लिए बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में कई विपक्षी नेताओं ने बैठक की और इस बात पर चर्चा की कि कैसे मुख्य चुनाव आयुक्त ने रविवार को उनकी ओर से उठाए गए किसी भी सवाल का जवाब दिए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। कुछ विपक्षी सांसदों का मानना है कि इस लड़ाई को आगे बढ़ाया जाना चाहिए और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने का सुझाव दिया। हालांकि, यह कदम चर्चा के चरण में है। विपक्षी दल फ़िर से मिलेंगे और इस पर आगे चर्चा करेंगे। दरअसल, एक दिन पहले यानी रविवार को ही चुनाव आयोग ने एक बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि कुछ लोगों की तरफ से पीपीटी प्रेजेंटेशन में दिखाए

आंकड़े चुनाव आयोग के नहीं हैं। उन्होंने साफ और स्पष्ट शब्दों में कहा था कि वोट चोरी के आरोपों पर हलफ़नामा दें या देश से माफ़ी मांगे। तीसरा कोई विकल्प नहीं है। अगर सात दिन में हलफ़नामा नहीं मिला तो आरोपों को निराधार समझा जाएगा। 'वोट चोरी' के आरोपों के बीच विपक्षी दल संसद के मानसून सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकते हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने भी इस मुद्दे पर बात की और कहा कि पार्टी जरूरत पड़ने पर महाभियोग प्रस्ताव सहित सभी लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है।

किश्तवाड़ बाढ़ चिसोती गांव में खोज और बचाव अभियान जारी.

विपक्ष को ओम बिरला की चेतावनी

सरकारी संपत्ति तोड़ने का अधिकार नहीं.....

नई दिल्ली। लोकसभा में नारेबाजी कर रहे विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को उनसे कहा कि वे जिस तीव्रता से नारे लगाते हैं, उसी तीव्रता से सवाल भी उठाएं। उन्होंने कहा कि इससे देश के लोगों को कुछ लाभ होगा। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सांसदों से कहते सुने जा सकते हैं कि जिस ज़ोर से आप नारे लगा रहे हैं, उसी ज़ोर से सवाल भी पूछेंगे तो देश की जनता का भला होगा। जनता ने आपको सरकारी संपत्ति नष्ट करने के लिए नहीं भेजा है और मैं आपसे अनुरोध करता हूँ और आपको चेतावनी देता हूँ ।

एसआईआर पर विपक्ष का हंगामा-कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

लोकसभा में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पर विशेष चर्चा...

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्षी सदस्यों के बार-बार व्यवधान के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर निर्धारित विशेष चर्चा भी बाधित रही। भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025 पारित होने के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। इस साल 30 जून तक नियामक और भू-राजनीतिक मुद्दों के कारण 5,706 उड़ानें रद्द की गईं। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर में विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों के सदस्यों ने प्रदर्शन किया। संसद ने सोमवार को बंदरगाह क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले भारतीय पत्तन विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी तथा केंद्रीय पत्तन परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पाने में बंदरगाह क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने में इस प्रस्तावित कानून की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा और मंत्री सोनोवाल के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि कुल 56.04 करोड़ प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) खातों में से 23 प्रतिशत

निष्क्रिय हैं। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 31 जुलाई 2025 के अंत तक 56.03 करोड़ पीएमजेडीवाई खातों में से 13.04 करोड़ खाते निष्क्रिय हैं। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) यात्रा पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि 2040 में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री चांद की सतह पर उतरेगा। सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे पुन: आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री - 2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका विषय पर विशेष चर्चा प्रारंभ कराई। विपक्षी दलों के सदस्यों की नारेबाजी के बीच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री 2040 में चांद की सतह पर उतरेगा।

आस्था विद्या मंदिर जावंगा में राष्ट्रीय मेगा टिंकरिंग दिवस मनाया गया,नीति आयोग अटल इनोवेशन मिशन एवं जिला प्रशासन दंतेवाड़ा के सहयोग से टिंकरिंग कार्यक्रम में 500 बच्चें हिस्सा लिया*

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

- गीदम मे स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय एवं अटल नवाचार मिशन (एआईएम), नीति आयोग भारत सरकार के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग सहयोग से राष्ट्रीय मेगा टिंकरिंग दिवस दंतेवाड़ा जिला के गीदम विकासखंड अंतर्गत एजुकेशन सिटी जावंगा स्थित आस्था विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल में भव्य रूप से आयोजित किया गया। दंतेवाड़ा जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा अतिथि के रूप में उपस्थित हो कर आस्था विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्रों से रूबरू हुए। इस दौरान जिला मिशन समन्वयक हरीश प्रताप गौतम, एपीसी व नोडल अधिकारी राजेंद्र प्रसाद पांडे, प्राचार्य बिरेंद्र कुमार शर्मा ने बच्चों से नवाचार पर चर्चा किए। राष्ट्रीय मेगा टिंकरिंग दिवस को मनाते हुए समन्वयक अमुजूरी विश्वनाथ के मार्गदर्शन में युवा वैज्ञानिक छात्रों ने 3डी प्रिंटिंग, लेत मशीन व जिगसॉ मशीन से

बुड वर्क आकृतियां, ऑटोमैटिक शू पॉलिश क्लीनिंग मशीन, इंटीग्रेटेड सॉइल टेस्टिंग फर्टिलाइजिंग वाटरिंग मशीन का प्रदर्शन किया। सीईओ जयंत नाहटा ने विज्ञान प्रयोगशाला एवं संचालित कक्षाओं को निरीक्षण कर बच्चों को प्रोत्साहन करते हुए बताया कि अत्याधुनिक उपकरणों के व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देते हुए विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा ले एवं इसके प्रति दंतेवाड़ा जिला प्रशासन हर सुविधा उपलब्ध कराएगी। नीति आयोग अटल इनोवेशन मिशन के द्वारा लाइव कार्यशाला में बच्चें एवं समन्वयक अमुजूरी विश्वनाथ ने हिस्सा लेकर अपना इंडिया प्रस्ताव दिया। इस कार्यक्रम में आस्था विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल जावंगा के 500 बच्चों ने उत्साह से हिस्सा लिया। इस दौरान उप प्राचार्य प्रमोद गुप्ता, सहयोगी मिथलेश्वर जैन, सुनील साहू एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे। राष्ट्रीय मेगा टिंकरिंग दिवस का उद्देश्य स्कूली छात्रों में नवाचार और रचनात्मकता की भावना को पोषित करने में भारत द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति का जश्न मनाने और उसे आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी पहल का व्यावहारिक शिक्षा और तकनीकी अन्वेषण के माध्यम से युवा मस्तिष्कों को सशक्त बनाने में अटल टिंकरिंग लैब्स के बढ़ते प्रभाव को उजागर करना है। सभी विद्यालयों में वैज्ञानिक अवधारणा, ÷टिंकरिंग÷ और नवाचार को एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बनाने के दृष्टिकोण को बल मिले और रचनात्मकता तथा समस्या-समाधान को समाहित करे।

25 साल बाद भी आदिवासियों के हितों की रक्षा करने में फेल बीजेपी और कांग्रेस-गोपाल साहू

- **आदिवासी,गरीब और किसान के बजाय पूंजीपतियों के साथ खड़ी होती हैं बीजेपी और कांग्रेस-बल्लू राम भवानी**

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

आम आदमी पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में बस्तर से लेकर सरगुजा तक पूरे राज्य में धर्मांतरण का मामला गरमाया हुआ है। आजादी के 79 वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रदेश के सुदूर आदिवासी अंचलों में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। वहां के आदिवासी दो वक्त की रोटी, लचर स्वास्थ्य व्यवस्था, अच्छी शिक्षा का अभाव और नक्सलियों द्वारा आदिवासियों पर किये जा रहे

अत्याचार की सरकार द्वारा अनदेखी से ईसाई मिशनरियों द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं से प्रभावित होकर मज़बूरी में ईसाई धर्म स्वीकारतें है और ज्यादातर सिर्फ चर्च या मिशनरी स्कूल में पढ़ने मात्र से कोई ईसाई नहीं बन जाता, यह भ्रान्ति है कि ऐसा करने वाले आदिवासियों ने धर्म परिवर्तन कर लिया है। वन अधिकार अधिनियम, 2006 के बावजूद कई आदिवासियों को उनके कानूनी हक नहीं मिल पाए हैं।आदिवासी क्षेत्रों में स्कूल और अस्पतालों की भारी कमी है। सरकार जिन आदिवासियों ने ईसाई धर्म अपना लिया है और जो वर्तमान में आदिवासी हैं उन दोनों को सिर्फ लड़वाना चाह रही है और अपना राजनीतिक उल्लू सीधा कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 25 वर्ष बाद भी सभी सरकारों ने आदिवासियों के हितों की अनदेखी की है। उन्हें जल जंगल जमीन से बेदखल कर उनकी जमीनों पर उद्योगपतियों का कब्ज़ा करवाया और कभी भी उनकी आवाज नहीं सुनी गयी।छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की जल जंगल जमीन और उनके हितों की रक्षा करने में नाकाम है सरकार। सलवा जुडूम के उद्देश्य की पूर्ति हो चुकी है। लोग सलवा जुडूम में थे और जो गांव के गांव में विस्थापित हो गए वह लोग आज कहां हैं? विस्थापित आदिवासी परिवारों को आज भी बुनियादी पहचान, भूमि, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखा गया है। अब सरकार धर्म परिवर्तन के खिलाफ शीघ्र कड़ा कानून लाना चाह रही है और पूर्व में धर्म परिवर्तन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया जायेगा लेकिन उनके मूलभूत सुविधाओं की सरकार बात नहीं करती है।

चिरमिरी में फूड एंड ड्रग विभाग ने ली पेयजल के सैंपल

- **विगत दिनों पीलिया से हो चुकी दो मौत के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने दिए थे जांच के कड़े निर्देश**

मनेंद्रगढ़/मूक पत्रिका

मोहम्मद जावेद -मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के नगर पालिक निगम चिरमिरी में पीलिया का प्रकोप जारी है। स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश के बाद सोमवार को फूड एंड ड्रग विभाग की टीम चिरमिरी पहुंची और प्रभावित परिवारों के घरों से पेयजल के सैंपल लिए। दरअसल वार्ड नंबर 20, 21, 22 और 23 में पिछले एक महीने से सैकड़ो लोग पीलिया बीमारी से पीड़ित हैं।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

जायसवाल रविवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और अधिकारियों को 15 दिनों में स्थिति नियंत्रित करने की निर्देश दिए थे।

लिए गए पेयजल के नमूने- इसके बाद आज अंबिकापुर से फूड एंड ड्रग विभाग की टीम चिरमिरी पहुंची टीम ने प्रभावित परिवारों के घरों से पेयजल के नमूने लिए हैं इन सैंपलों की जांच माइक्रोबायोलॉजी लैब रायपुर में की जाएगी। जांच रिपोर्ट दो दिनों में आने की संभावना है। रिपोर्ट से पता चलेगा की आपूर्ति किए जा रहे हैं पानी में किस तरह की समस्या है।

हरमो (सारंगढ़) शिव मंदिर व बीरचबूतरा में तोडफोड़ को लेकर कांग्रेस का कवर्धा शहर बंद आज

- **घटना के हप्तेभर बाद भी नहीं हो पाई आरोपी की गिरफ्तारी, सनातनियों में आक्रोश : कांग्रेस**

कवर्धा/मूक पत्रिका

जिले के विकासखण्ड बोड़ला अंतर्गत ग्राम पंचायत कटगो के आश्रित ग्राम हरमो (सारंगढ़) में बीते दिनो स्थानीय शिव मंदिर एवं कबीर चबूतरा में तोडफ़ेड़ करने वाले अज्ञात असामाजिक तथा आपराधिक तत्व की घटना के करीब हप्ते भर से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने 19 अगस्त को कवर्धा शहर बंद करने का ऐलान किया है। इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष होरीराम साहू तथा कवर्धा शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत कटगो के आश्रित ग्राम हरमो (सारंगढ़) में स्थित शिव मंदिर एवं कबीर चबूतरा में गत 6 अगस्त की रात किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा तोडफोड कर शिव लिंग और कबीर चबूतरा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। जिसकी जानकारी घटना के दूसरे दिन 7 अगस्त की सुबह होने के बाद से स्थानीय ग्रामीणों व सनातन धर्मियों में भारी नाराजगी व रोष व्याप्त है। श्री साहू तथा श्री सिंह ने कहा कि असामाजिक तत्वों के द्वारा इस कृत्य को अंजाम देकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का घृणित कृत्य किया गया। जिसकी जांच कर दोषियों की पहचान आवश्यक है। इन असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस ने ग्रामीणों के साथ मौके पर ही धरना प्रदर्शन भी किया था। जिस पर पुलिस प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था। जिसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया था। लेकिन घटना के करीब हप्ते भर से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी अभी तक पुलिस प्रशासन द्वारा न तो अरोपी की पतासाजी की गई है और न ही उसकी गिरफ्तारी ही गई है। जिसके विरोध में अब कांग्रेस द्वारा चैम्बर ऑफ कॉमर्स कवर्धा के सहयोग से 19 अगस्त को सुबह 8. 00 बजे से दोपहर 02.00 तक एक दिवसीय कवर्धा शहर बंद किया जावेगा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष होरीराम साहू एवं शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक सिंह ने कवर्धा नगरवासियों से सहयोग की अपील की है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के नवनिर्मित भवन का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना ने कोण्डागांव शहर में मुख्य पोस्ट ऑफिस के पास स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी कक्षों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक सुधार कार्य करने हेतु सीजीएमएससी के अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही नए भवन में सीपेज की समस्या न हो, यह सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों से शेष कार्यों को 15 दिवस के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश के प्रयास से पुल सहित पांच सड़क निर्माण कार्य के लिए साढ़े चौदह करोड़ की मिली स्वीकृति

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश के प्रयास से क्षेत्र के पांच सड़क निर्माण कार्य के लिए 14 करोड़ 62 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। ज्ञात हो कि विधानसभा बजट सत्र 2024-25 के दौरान विधानसभा पामगढ़ के विभिन्न प्रमुख मार्गो के निर्माण के लिए अनुशंसा पत्र विधायक शेषराज हरवंश के द्वारा प्रेषित किया गया था। इसमें बेल्हा से कुरियारी मार्ग पर कंजी नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 428.55 लाख,नेवराबंद से बारगांव मार्ग लंबाई 2.90 किलोमीटर के लिए

394.92 लाख, लोहर्सी से खोरसी महानदी मार्ग लंबाई 3.11 किलोमीटर के लिए 362.47 लाख, झिलमिली नहर पार होते हुए भैंसों तक मार्ग लंबाई 0.70 किलोमीटर

के लिए 89.65 लाख एवं मुड़पार ब से मुरली गांव तक मार्ग, लंबाई 1.40 किलोमीटर के लिए 187.09 लाख की राशि स्वीकृति की गई है।

इन कार्यों की स्वीकृति बजट में दी जा चुकी थी किन्तु प्रशासकीय स्वीकृति जारी नही हुई थी।

लोक निर्माण विभाग के अपर सचिव ने 14 अगस्त 2025 को उक्त कार्य की विधिवत् प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। क्षेत्र के विभिन्न बहुप्रतिक्षित सड़क निर्माण कार्यों की स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में हर्ष है तथा उन्होंने विधायक शेषराज हरवंश के प्रति आभार प्रकट किया है।

अवैध गांजा परिवहन करने के दो आरोपी जेल दाखिल

दुर्ग/मूक पत्रिका

मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर अवैध रूप से गांजा परिवहन करने के दो आरोपियों को थाना भिलाई नगर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से इस संबंध में मिली विस्तृत जानकारी के अनुसार गत दिवस थाना भिलाई नगर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति स्कूटी क्रमांक सीजी 08 बीडी 7953 में अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर राजनांदगांव से भिलाई पावर हाउस की ओर आ रहे हैं। सूचना पर सेक्टर 07-08 चौक गैरेज रोड़ भिलाई में वाहन चेकिंग के दौरान स्कूटी सुजुकी एक्सेस क्रमांक सीजी 08 बीडी 7953 में दो व्यक्ति आये। जिन्हे रोककर नाम पता पुछने पर उन्होंने अपना नाम हेमंत

बमभोले उर्फ भोला और अक्षत सिंडे बताया। उक्त वाहन का तलाशी लेने पर स्कूटी की डिक्की के अंदर रखे पीला कत्था संफेद रंग के कपड़े के झोला अंदर अवैध मादक पदार्थ गांजा वजनी 01.150 किलोग्राम मिला। मादक पदार्थ गाँजा और घटना में प्रयुक्त स्कूटी एक्सेस वाहन क्रमांक सीजी 08 बीडी 7953 को पुलिस ने जप्त कर लिया। थाना भिलाई नगर मे अपराध क्रमांक 432/2025 धारा 20(ख) 27(क) एनडीपीएस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने आरोपीगणों को एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपीगण -हेमंत बमभोले उर्फ भोला निवासी कमला कालेज रोड़ जीवन कालोनी पाताल भैरवी मंदिर के पीछे राजनांदगांव और अक्षत सिंडे निवासी वार्ड न. 13 स्टेशन रोड , थाना - चिखली , जिला - राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)।

*सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेस्ट प्रदर्शन के लिए निर्मल निकेतन को मिला तृतीय स्थान

- *विद्यालय के प्राचार्य ने प्रतिभागियों एवं शिक्षकों को उपलब्धि पर दी बधाई*

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही उत्साह पूर्ण माहौल में मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम हायर सेकेडरी स्कूल के खेल मैदान में आयोजित हुआ जहां मुख्य अतिथि के तौर पर जगदलपुर विधायक किरण देव उपस्थित हुए थे। ध्वजारोहण, परेड एवं मुख्यमंत्री के नाम संदेश वाचन पश्चात विभिन्न स्कूलों के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति पेश की गई। इस दौरान विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने देशभक्ति गीत, भाषा एवं नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। कारली के निर्मल निकेतन विद्यालय के बच्चों ने

बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसे सभी लोगों ने खूब सराहा। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई जिसमें निर्मल निकेतन हाईस्कूल विद्यालय को तृतिय स्थान के लिए पुरस्कृत किया गया। इधर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय में भी छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति पेश की गई। विद्यालय के प्रांगण में तिरंगे की शान और बच्चों के जोश ने वातावरन को देशभक्ति से सराबोर कर दिया था। बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत भाषण एवं नृत्य की बेहतरीन कार्यक्रम पेश किया। विद्यालय के प्राचार्य फादर बीजू ने इस अवसर पर अपने संबोधन में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए छात्रों को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आव्हान किया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में निर्मल निकेतन विद्यालय को तृतीय स्थान प्राप्त होने पर प्राचार्य बीजू ने प्रतिभागियों एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई शुभकामनाएं दी।

मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब ने दिया समाज सुधार और एकता का संदेश, अनुसूचित जाति समाज के विकास हेतु करोड़ों की योजनाएँ ला रही है छत्तीसगढ़ सरकार

ग्राम बहनाकाड़ी में मनाई गई शूरवीर बलिदानी राजा गुरु बालकदास साहेब की जयंती

बहनाकाड़ी/मंदिर

हसौद/आरंग/रायपुर/मूक पत्रिका

ग्राम बहनाकाड़ी में बीते सोमवार को शूरवीर बलिदानी राजा गुरु बालकदास साहेब की जयंती महोत्सव का आयोजन बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर समाजजन, श्रद्धालु और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।समारोह के मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब (विधायक आरंग एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष, छग शासन तथा प्रदेश अध्यक्ष ङ्क अखिल भारतीय सतनाम सेना) का समाजजनों ने पारंपरिक ढंग से भव्य स्वागत किया। गुरु खुशवंत साहेब ने जोड़ा सेतखाम में पूजा अर्चना कर मत्था टेक समस्त मानव समाज के लिए बाबा जी से कामना किया। उसके बाद मंच पर विराजमान होकर गुरु साहेब ने गुरुवाणी और प्रेरक विचारों के माध्यम से समाज को आध्यात्मिक व सामाजिक दिशा प्रदान की। अपने ओजस्वी उद्बोधन में गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा ङ्कराजा गुरु बालकदास साहेब जी का जीवन त्याग, साहस और बलिदान का प्रतीक है। उनकी जयंती केवल एक स्मरण नहीं बल्कि समाज की एकता, संगठन और नई पीढ़ी के मार्गदर्शन का अवसर है। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज की प्रगति और मजबूती की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने आगे कहा किङ्कमुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार अनुसूचित जाति समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गुरु आस्था स्थलों, सांस्कृतिक केंद्रों और सामाजिक ढाँचों के विकास के लिए करोड़ों रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यही हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर डीजे धूमाल के साथ भव्य शोभायतानृत्य और कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। समारोह में आरंग विकास खंड के सतनामी समाज ब्लॉक अध्यक्ष यशवंत टंडन सहित,समाज के गणमान्यजन, अखिल भारतीय सतनामी सेना के पदाधिकारी, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रतापपुर में अपने ही शासन के खिलाफ धरना, सरपंच और जनपद सदस्य गायब

सवालों के घेरे में पार्टी अनुशासन, भाजपा क्यों नजरअंदाज कर रही अपने ही आदेश?

सूरजपुर/प्रतापपुरः/मूक पत्रिका

प्रतापपुर में सोमवार को हुआ धरना प्रदर्शन अब सिर्फ भ्रष्टाचार या विवादित सीईओ के खिलाफ आंदोलन नहीं रहा, बल्कि यह भाजपा के भीतर गहरे होते दरारों का खुला संकेत है। जनपद पंचायत कार्यालय में हुए ताला जड़ो आंदोलन में जनपद पंचायत अध्यक्ष सुखमनिया सिंह और सदस्य प्रेमावती पटेल तो मौजूद रहीं, लेकिन बाकी तस्वीर ने पूरे जिले की राजनीति को हिला दिया।

धरना किसका, भाजपा का या गुटों का?

धरने में नगर पंचायत प्रतापपुर के भाजपा शासित प्रतिनिधि, मंडल पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी ताकत से मैदान में थे, लेकिन ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने चुप्पी साध ली। यही नहीं, एक को छोड़ बाकी सभी जनपद पंचायत सदस्य भी गायब रहे। यह सवाल खड़ा करता है, जब मामला सीधे जनपद और विकास योजनाओं से जुड़ा है तो ये चुप्पी क्यों? क्या इन निर्वाचित जनप्रतिनिधियों पर दबाव है, या फिर यह सब किसी बड़े राजनीतिक खेल का हिस्सा है? भाजपा बनाम भाजपा, सीईओ की कुर्सी या सत्ता की रस्साकशी?सबसे बड़ा सवाल, भाजपा सरकार के फैसले के खिलाफ भाजपा के ही नेता धरने पर क्यों? क्या यह सिर्फ विवादित सीईओ जय गोविंद गुप्ता को हटाने का मामला है या फिर पर्दे के पीछे पूर्व सीईओ डॉ. नृपेंद्र सिंह को बचाने की कवायद? अगर हाँ, तो यह रिश्ता क्या कहलाएगा, निष्ठा, मजबूरी या साजिश?

सत्ता बनाम संगठन, गुटबाज़ी हुई बेनकाब

यह धरना भाजपा के भीतर खींचतान का साफ सबूत है। सवाल यह है कि क्या पार्टी लाइन से ऊपर निजी समीकरण और गुटबाज़ी हावी हो रही है? क्या स्थानीय नेतृत्व अपने स्वार्थ के लिए संगठन को चुनौती दे रहा है?

प्रशासन ने दो दिन में समाधान का भरोसा दिया है, लेकिन असली लड़ाई अब पार्टी मंच पर होगी। बड़ा सवाल, भाजपा ही भाजपा के फैसले को क्यों चुनौती दे रही है? क्या आने वाले दिनों में यह मामला राजनीतिक भूचाल में बदलेगा, या यह सिर्फ एक सीईओ की कुर्सी का खेल है?

छत्तीसगढ़ कैशलैस चिकित्सा सेवा कर्मचारी कल्याण संघ की वर्चुअल बैठक आयोजित

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

छग कैशलैस चिकित्सा सेवा कर्मचारी कल्याण संघ की वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। संघ के संस्थापक सदस्य प्रदेश पदाधिकारीगण,संभागीय एवं जिला संयोजक गण की उपस्थिति में आयोजित बैठक में कर्मचारी हित में कैशलैस मेडिकल योजना लागू कराने हेतु संघ के द्वारा अब तक किए गए प्रयास हेतु संतोष व्यक्त करते हुए आगामी माह में दुर्ग में छत्तीसगढ़ कैशलैस चिकित्सा सेवा कर्मचारी कल्याण संघ के बैनर तले एक सम्मेलन सह संगोष्ठी आयोजित किए जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। विदित हो कि संघ के द्वारा छग राज्य के समस्त कर्मचारीगण एवं आश्रित परिजन हेतु कैशलैस मेडिकल योजना को लागू कराने के अपने एकसूत्रीय मांग को लेकर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात किया जा चुका है।प्रशासन स्तर पर भी संघीय सदस्यों के द्वारा स्वास्थ्य सचिव जी से चर्चा परिचर्चा की जा चुकी है। राज्य के समस्त जिला कलेक्टर को भी उक्त योजना को लागू कराने हेतु मुख्यमत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा चुका है। संघीय दायित्वों पर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए उक्त योजना के लागू होने की अपेक्षा को लेकर रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री को राखी भी प्रेषित की गई। विगत सप्ताह ट्विटर अभियान भी चलाया गया। शासन एवं प्रशासन स्तर पर सकारात्मक भरोसा संघ को दिया गया है। *परंतु कर्मचारी हित में उक्त जनकल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन में हो रहे विलंब को दृष्टिगत रखते हुए। आगामी माह में दुर्ग में एक सम्मेलन सह संगोष्ठी आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया। आज की ऑनलाइन मीटिंग में जुड़े समस्त ऊर्जावान साथियों ने उक्त बैठक हेतु अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए एकजुट होकर समस्त विभाग के कर्मचारी साथियों को अपनी सकारात्मक उपस्थिति के द्वारा सम्मेलन को सफल बनाने हेतु अपील भी किए।

वर्चुअल बैठक में प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती ऊषा चंद्राकर,संरक्षक राकेश कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष लिखेश वर्मा,विनोद सिंह,रमेश कुमार नेगी,आजूराम सिन्हा,विजय कोचेंद्र,नंदगोपाल पटेल,ओमप्रकाश सोनवानी , चंद्र प्रकाश तिवारी,संगठन के सक्ती जिला संयोजक अजय सिंह सिदार सहित संघ के साथीगण उपस्थित थे। उक्त जानकारी संघ के संभागीय सचिव चंद्र प्रकाश तिवारी ने प्रदान किया।

153 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा तर्रेम, गुंडे तथा चुटवाही में फहराया तिरंगा

ग्रामीण और स्कूली बच्चों संग जवानों ने निकाली रैली

बीजापुर /मूक पत्रिका

79 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर 153 बटालियन सीआरपीएफ ने अमित कुमार कमांडेंट के नेतृत्व में मुख्यालय परिसर में साथ ही साथ तर्रेम, चिन्नागेलूर, गुंडम और चुटवाही कैम्प में ध्वजारोहण समारोह आयोजित करके पूरे जोश और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया।इस समारोह में स्थानीय ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया और मिठाइयां वितरित की गई। ग्रामीणों और छात्रों के साथ मिलकर एक तिरंगा रैली निकाली गई, जिसमें देशभक्ति और सामाजिक समरसता की भावना को बढ़ावा दिया गया। इस कार्यक्रम ने बल और स्थानीय समुदाय के बीच आपसी मेल - मिलाप और विश्वास को मजबूत करने का काम किया।

अमृत सरोवर में ध्वजारोहण व पौधारोपण के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

महात्मा गांधी नरेगा के अमृत सरोवर बने स्वतंत्रता दिवस का केंद्र

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले के अमृत सरोवर स्थलों में कार्यक्रम आयोजित कर बड़े धूम धाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया । अमृत सरोवर गांव की धरोहर है इस भावना से ओतप्रोत ग्रामीणों ने सरोवर स्थल पर ध्वजारोहण कर पौधारोपण किया निकाली। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े धूम धाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया है। इसी कड़ी में महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत बनाए गए अमृत सरोवर स्थलों में भी ध्वजारोहण के साथ ही विभिन्न गतिविधि आयोजित किए गए है।

हर घर स्वच्छता अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वतंत्रता दिवस के पूर्व ग्रामीणों में स्वच्छता के आदतों पर जागरूकता कार्यक्रम निरंतर चलाए गए। तिरंगा रैली, साफ सफाई के साथ स्वच्छता और जल संरक्षण का शपथ भी लिया गया।

नवपदस्थ मुख्य नगरपालिका अधिकारी सोनवानी ने किया पदभार ग्रहण

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

नगरपालिका चांपा के मुख्य नगरपालिका अधिकारी भोला सिंह ठाकुर के सेवानिवृत्त पश्चात जांजगीर सी एम ओ विक्रण भगत चांपा के अतिरिक्त प्रभार पर थे। नवपदस्थ सी एम ओ राम संजीवन सोनवानी 14 अगस्त गुरुवार को नगरपालिका चांपा कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किए। गौरतलब है कि 15 अगस्त तैयारियों के साथ साथ वे चांपा शहर के विकास कार्य जो अवरूद्ध हुए थे, इस संबंध में पालिका के सभी ठेकेदारों को निर्देशित किया है कि जल्द से जल्द निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण करें और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा, उन्होंने आगे कहा कि नगर विकास के कार्यों में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

शासकीय प्राथमिक शाला में मनाया जन्माष्टमी पर्व

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक शाला कानाकोट संकुल धमनी में बीते सोमवार को कृष्ण जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया।बच्चे श्री कृष्ण एवं राधारानी की वेशभूषा में सजधज का शाला में आए थे ,सर्वप्रथम शाला परिवार की प्रधान पाठक भूमिता कुर्रे शिक्षिका सुनीता साहू , शिक्षक कान्हा साहू द्वारा राधा कृष्ण की पूजा कर जन्माष्टमी पर्व की शुरुआत किया गया । राधारानी और कृष्ण के रूप में सजे बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने अपना परिचय राधा और कृष्ण के अलग अलग नाम से दिया । उसके बाद मोनिका और ट्विंकल ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया । राधा और कृष्ण बने सभी बच्चों ने सामूहिक रूप से गरबा नृत्य किया। उसके बाद दही हांडी लुट में कृष्ण और बाल शखाओं ने पिरामिड बनाकर दही हांडी फोड़ा। सभी बच्चों के लिए रस्साकसी और मटका फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया । अंत में सभी बच्चों को मिष्ठान वितरण किया गया ,सभी बच्चे बहुत ही प्रसन्नता से कार्यकम में सहभागी बने।

किसानों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने और एग्रीस्टेक में अधिक से अधिक पंजीयन के निर्देश

■ कलेक्टर ने की खाद भण्डारण एवं वितरण की समीक्षा

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

कलेक्टर दीपक सोनी ने बीते सोमवार को कृषि, सहकारिता एवं अन्य सम्बधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में उर्वरक भण्डारण एवं वितरण की समीक्षा की। उन्होंने किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने तथा अधिक संख्या में एग्रीस्टेक में पंजीयन कराने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कृषक उन्नति सहित अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को एग्रीस्टेक में पंजीयन कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेशमें कृषि के विकास और किसानों की समृद्धि के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने खेती-किसानी के काम में प्रगति लाएं। एग्रीस्टैक पोर्टल की शुरुआत किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए ही किया गया है।इसलिए किसान भाई अनिवार्य रूप से इसमें पंजीयन करवायें।उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा किसानों के हित में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और आगे भी किए जाएंगे। कलेक्टर ने आश्वस्त किया है कि जिले में किसानों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

राजीव लोचन साहित्य संस्था की गरिमामयी काव्य गोष्ठी सम्पन्न, नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

रायपुर /मूक पत्रिका

राजीव लोचन साहित्य संस्था रायपुर द्वारा आयोजित भव्य काव्य गोष्ठी बीते सोमवार को वृंदावन हॉल में गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर शहर और प्रदेश के अनेक साहित्यकारों , कवियों और साहित्यप्रेमियों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को यादगार बना दिया। काव्य गोष्ठी में प्रस्तुत की गई मनोरम रचनाओं ने श्रोताओं को गहन साहित्यिक रस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' उपस्थित रहे , जबकि अध्यक्षता का दायित्व डॉ. सुखदेव राम साहू 'सरस' ने निभाया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. माधुरी दड़सेना 'मुदिता' और साहित्यकार व वरिष्ठ पत्रकार डॉ. पी. के. तिवारी मंचासीन रहे। उनके उद्बोधन और प्रेरक विचारों ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर आयोजित ऐसी काव्य गोष्ठियां साहित्य के प्रति ना केवल नई पीढ़ी में रुचि जगाती है , बल्कि सृजनशीलता को भी प्रोत्साहन देती है। इस अवसर पर राजीव लोचन साहित्य संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। संस्था ने संकल्प लिया कि आगामी दिनों में साहित्य को समृद्ध बनाने , पठन-पाठन व लेखन को बढ़ावा देने और प्रतिभाशाली साहित्यकारों को मंच उपलब्ध कराने के प्रयासों को और गति दी जायेगी। नवगठित कार्यकारिणी में रामेश्वर शर्मा , मुरारीलाल साव और डॉ. राजेन्द्र पाटकर 'स्नेहिल' को संरक्षक के रूप में दायित्व सौंपा गया है। संस्था की कमान अध्यक्ष के रूप में ऋषि साव के हाथों में सौंपी गई है। संयोजक का दायित्व राजेश चौहान को मिला है , जबकि कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी श्रीमती सुमन शर्मा बाजपेयी निभायेंगी। महिला अध्यक्ष के रूप में आ. कल्याणी तिवारी को चुना गया है। उपाध्यक्ष पद पर राजाराम रसिक और आ. मीता अग्रवाल को स्थान दिया गया है। सचिव पद का दायित्व डॉ. इन्द्रदेव यदु और आ. मंजूषा अग्रवाल को सौंपा गया है। सह सचिव के रूप में मन्नुलाल यदु , निवेदिता वर्मा और मेघा को जिम्मेदारी दी गई है। प्रचार सचिव के रूप में यशवंत यदु 'यश' और रामचंद्र श्रीवास्तव कार्य करेंगे। मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सुषमा प्रेम पटेल को दी गई है। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. भारती अग्रवाल , राजेश नामदेव , अनिल रॉय भारत , रघुनाथ देशमुख और राज निषाद संस्था की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभायेंगे। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित साहित्यकारों और अतिथियों ने संस्था की नई कार्यकारिणी को शुभकामनायें देते हुये विश्वास जताया कि संस्था साहित्य की उन्नति और संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

नगर की सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों में मिलेगी नई गति

कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने नगर पालिका में आधुनिक जेसीबी मशीन का किया शुभारंभ

कांकेर /मूक पत्रिका

कांकेर नगर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने नगर पालिका परिषद कांकेर में नई और आधुनिक जेसीबी मशीन का शुभारंभ किया। इस मशीन के माध्यम से न केवल नगर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूती मिलेगी बल्कि नगर में चल रहे मरम्मत, निर्माण और विकास कार्यो को भी तेजी से पूरा करने में सुविधा होगी। कार्यक्रम के दौरान विधायक नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ÷स्वच्छ भारत अभियान÷ को मजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है। नगरवासियों की सुविधा और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए आधुनिक उपकरणों का होना बेहद आवश्यक है। इसी क्रम में नगर पालिका को जेसीबी मशीन उपलब्ध कराई गई है, जो आने वाले दिनों में सफाई और विकास कार्यों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि नगर में गली-मोहल्लों की सफाई, नालियों की मरम्मत, सड़क निर्माण और अन्य कार्य अब समयबद्ध तरीके से पूरे हो सकेंगे। जेसीबी मशीन के उपयोग से जहां काम में तेजी आएगी, वहीं नगर पालिका का आर्थिक बोझ भी कम होगा, क्योंकि अब छोटे-बड़े कार्यों के लिए बाहर से मशीनें किराए पर लाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक, सभी पार्षदगण, भाजपा कार्यकर्ता, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने विधायक नेताम को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस पहल से निश्चित ही नगर का स्वरूप और अधिक सुंदर और स्वच्छ बनेगा। नगरवासियों ने भी इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि अब नगर की सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों में गति आएगी तथा जनता को प्रत्यक्ष लाभमिलेगा।

हीरानार में आयोजित भव्य मटका फोड़ में शामिल हुए जनपद सदस्य पवन कर्मा

जिले का एकमात्र राधा कृष्ण मंदिर ग्राम पंचायत हीरानार 02 में है स्थित

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत हीरानार में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भाव दही हांडी मटका फोड़ का आयोजन किया गया था जिसमें शामिल होने जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 11 पवन कर्मा सम्मिलित हुए। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले भर से मटका फोड़ टीम ग्राम पंचायत हिरण्यर पहुंची हुई थी ज्ञात हो कि विगत कई वर्षों से इस पंचायत में मटका फोड़ का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया था जिसमें प्रमुख रूप से कबड्डी,वॉलीबॉल, रस्सा खींच, कुर्सी दौड़ एवं अन्य खेलों का आयोजन भव्य रूप से किया गया था। आम जनमानस की भीड़ देखते ही बन रही थी लग रहा था कि जैसे बहुत बड़े मेले का आयोजन हुआ हो।

जनपद सदस्य पवन कर्म द्वारा इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों से भेंट मुलाकात की गई और उन्हें अच्छे खेल का प्रदर्शन करने हेतु उत्साह वर्धन किया गया। महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिनके लिए विशेष रूप से कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया नन्हे मुन्ने गोविंदाओं को भी मटका फोड़ने का अवसर मिला जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने दही हांडी फोड़ कर सभी का मन मोह लिया बड़े गोविंदाओं के लिए आयोजित दहीहंडी मटका फोड़ प्रतियोगिता में जिले भर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में शानदार प्रदर्शन करने वाले विजेता टीम और उपविजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य पवन कर्मा ग्राम पंचायत हीरानार 02 सरपंच रविंद्र नाथ कश्यप एवं सचिव राजाराम भाटिया एवं ग्रामवासीजन उपस्थित रहे।

संपादकीय

चुनौतियां नई, संकल्प वही

आजादी की 79वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाल किले से दिया गया भाषण अगर याद रखे जाने लायक कहा जाएगा तो सिर्फ इसलिए नहीं कि यह उनका अब तक का सबसे लंबा भाषण रहा या लाल किले के प्राचीर से उन्होंने लगातार बारहवीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, जिसका मौका पंडित जवाहरलाल नेहरू के अलावा किसी और प्रधानमंत्री को नहीं मिला। जिन हालात में और जिन चुनौतियों के बीच पीएम मोदी ने राष्ट्र को संबोधित किया, वे भी इस भाषण को अहम बना रहे थे।आज अमेरिका टैरिफ वॉर के जरिये अपना प्रभुत्व जमाने की कोशिश कर रहा है, जबकि चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स को हथियार बनाया हुआ है। इन सबके बीच भारत को तरक्की जारी रखने के लिए रास्ता तलाशना ही होगा। स्वाभाविक ही प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर खासा जोर दिया। उन्होंने क्रिटिकल अर्थ मिनरल्स, तेल और गैस, सेमीकंडक्टर से लेकर हथियारों तक में आत्मनिर्भरता की बात की। दुनिया जिस तरह से बदल रही है, उसमें यह जरूरी भी है कि दूसरों पर निर्भरता कम करने पर ध्यान दिया जाए।अभी देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का योगदान केवल 12 प्रतिशत है और ग्लोबल सप्लाई में केवल 2.8 प्रतिशत। इसकी तुलना में चीन दुनिया के लिए 28.8 प्रतिशत सामान बना रहा है। इस साल अप्रैल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सरकार अगले दो दशकों में मैन्युफैक्चरिंग को डीजीपी के 23 प्रतिशत के बराबर करना चाहती है। सरकार ने जो लक्ष्य तय किया है, वह नामुमकिन बिल्कुल नहीं है। ऑटो इक्विपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, खासतौर पर आईफोन का उदाहरण बताता है कि भारत में वैश्विक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है। एपल करीब 20 प्रतिशत आईफोन अब भारत में बना रही है, जबकि कभी चीन इसका केंद्र हुआ करता था। हालांकि पीएम मोदी ने ठीक ही ध्यान दिलाया कि दुनिया गुणवत्ता की कद्र करती है और अगर ग्लोबल मार्केट में भारत की छवि को चमकाना है तो हाई क्वॉलिटी प्रॉडक्ट्स बनाने होंगे। अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करते हुए पीएम मोदी चुनौतियों की ओर संकेत करना भी नहीं भूले। उन्होंने न केवल किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों की बात की बल्कि सिंधु जल समझौते को मौजूदा स्वरूप में स्वीकार न करने की दो टूक घोषणा भी कर दी। स्पष्ट है कि भारत किसी भी सूरत में अवांछित दबाव को स्वीकार नहीं कर सकता। लेकिन इसे लेकर भी कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि भारत की आत्मनिर्भरता का मतलब बाकी दुनिया से कटना नहीं है। परस्पर सम्मान और सहयोग के आधार पर तालमेल के साथ आगे बढ़ते हुए ही भारत अपनी मंजिल तय करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ऐसे बयानों के गैर जिम्मेदाराना रवैये को समझ सकता है। बयान में इस बात पर भी खेद जताया गया है कि ये टिप्पणी किसी तीसरे मित्र देश की धरती से की गई है। इसलिए मेरी स्पष्ट राय है कि पाकिस्तान के साथ भारत को भी वही सुलूक करना चाहिए, जैसा कि इजरायल ने पिछले महीनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के साथ किया था। चूंकि मुनीर इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। इसलिए उनकी इस क्षुद्र बयानबाजी के पीछे अमेरिकी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। रही बात इस्लामिक देशों के शह की तो उन्हें भी उसी परमाणु बम से मिट्टी में मिलाया जा सकता है, जिसकी धमकी बार-बार इंग्लैंड-अमेरिका का 'नाजायज औलाद' पाकिस्तान अक्सर देता आया है, यह बात उन्हें भी याद रखनी चाहिए।

ईरान की तरह पाकिस्तानी परमाणु ठिकानों को भी नेस्तनाबूद करने में आगे क्यों नहीं बढ़ पा रहा है भारत?

(कमलेश पांडे)

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जिस तरह से खुलेआम परमाणु युद्ध की धमकी दी है, उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इससे भारत की यह चिंता पुष्ट होती है कि पाकिस्तान के पास एटॉमिक पावर होना पूरी दुनिया के लिए खतरा है।

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित टाम्पा में पाकिस्तानी आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने फिर एक धमकी भरा बयान दिया है। हालांकि उस पर भारत ने पलटवार करते हुए दो टूक कह दिया है कि किसी भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल के प्रभाव में नहीं आएंगे। दरअसल, फ्लोरिडा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने कथित तौर पर परमाणु हमले की धमकी देते हुए कहा था कि भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हो सकता है। हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र है। अगर हमें लगता है कि हम नीचे जा रहे है, तो हम अपने साथ आधी दुनिया को भी नीचे ले जाएंगे।

इससे स्पष्ट है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जिस तरह से खुलेआम परमाणु युद्ध की धमकी दी है, उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इससे भारत की यह चिंता पुष्ट होती है कि पाकिस्तान के पास एटॉमिक पावर होना पूरी दुनिया के लिए खतरा है। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि परमाणु हथियारों की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी रणनीति रही है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ऐसे बयानों के गैर जिम्मेदाराना रवैये को समझ सकता है। बयान में इस बात पर भी खेद जताया गया है कि ये टिप्पणी किसी तीसरे मित्र देश की धरती से की गई है।

इसलिए मेरी स्पष्ट राय है कि पाकिस्तान के साथ भारत को भी वही सुलूक करना चाहिए, जैसा कि इजरायल ने पिछले महीनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के साथ किया था। चूंकि मुनीर इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। इसलिए उनकी इस क्षुद्र बयानबाजी के पीछे अमेरिकी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। रही बात इस्लामिक देशों के शह की तो उन्हें भी उसी परमाणु बम से मिट्टी में मिलाया जा सकता है, जिसकी धमकी बार-बार इंग्लैंड-अमेरिका का 'नाजायज औलाद' पाकिस्तान अक्सर देता आया है, यह बात उन्हें भी याद रखनी चाहिए। ऐसा करके भारत उनका सारा सांप्रदायिक भूत उतार सकता है। दरअसल मरता क्या नहीं करता वाली बात समान रूप से भारत पर भी लागू होती है। काबिलेगौर है कि रूस-भारत की पारस्परिक समझदारी से परेशान अमेरिका की धरती से पहली बार किसी ने किसी तीसरे देश के लिए इस तरह धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा इसलिए कि अंतरराष्ट्रीय जगत को युद्धोन्माद की आड़ में हथियार व गोला-बारूद का निर्यात करने वाले अमेरिका को इसमें मजा आता है। हालांकि, अब जो भारत से उसे कड़ी टक्कर मिल रही है, उससे उसके हरामखोर मंसूबे पर पानी फिरता नजर आ रहा है। चूंकि पाकिस्तान के जन्म से 9/11 तक भारत विरोधी तमाम पाकिस्तानी कार्रवाइयों का प्रोत्साहक अमेरिका ही रहा है।

लिहाजा मुनीर के बयान को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

मसलन, पहले लक्षित पहलगाम साम्प्रदायिक आतंकी हमला, फिर ऑपरेशन सिंदूर से अमेरिकी तिलमिलाहट और अब नई धमकी का लब्बोलुआब यह है कि वियतनाम से लेकर लीबिया तक पिट चुके अमेरिका ने विगत 4 वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह ही भारत-पाकिस्तान युद्ध और चीन-ताइवान युद्ध जैसा नया मोर्चा खोलने के सपने देख रहा है, ताकि रूस, भारत, चीन (आरआईसी) की अंतरराष्ट्रीय बर्बादी सुनिश्चित हो और अमेरिका-यूरोप की एशियाई बादशाहत बरकरार रहे।

तभी तो यह पहली बार है कि जब किसी सेना प्रमुख ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह परमाणु हथियार भी इस्तेमाल कर सकता है। कहना न होगा कि मुनीर की बातें जितनी गैरजिम्मेदार हैं, उतनी ही चिंता बढ़ाने वाली भी। इसलिए पाकिस्तानी फन को समय रहते ही कुचल देना चाहिए और रूस-चीन का सहयोग लेकर उन तमाम अमेरिकी एशियाई अड्डों को भारत के कब्जे में कर लेना चाहिए, जिससे पाकिस्तान-बंगलादेश को अमेरिकी खाद-पानी मिलती आई है। मेरे विचार से यही दूरदर्शी रणनीति होगी। चूंकि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, पीओके वापस नहीं मिला है, पाकिस्तानी परमाणु बमों पर अमेरिकी पहरा है, इसलिए आसेतु हिमालय में एक निर्णायक युद्ध के आगाज से नहीं हिचकना चाहिए। बल्कि इसी की आड़ में सारे छोटे छोटे पड़ोसी देशों का अस्तित्व मिटा देना चाहिए, ताकि भारत विरोधी ताकतें हमेशा अपनी औकात में रहें। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ कि पाकिस्तान के सिस्टम में सेना क्या भूमिका रखती है, यह सभी को मालूम है। भले ही वहां चुनी हुई सरकार हो, लेकिन फैसले सेना प्रमुख के ही होते हैं। यह कौन नहीं जानता कि नवोदित पाकिस्तान ने 1947 में ही कबाइलियों को आगे करके भारत के मस्तक जम्मू-कश्मीर को वापस लेना चाहा, लेकिन मात खाई। फिर 1965 और 1971 में भारत के हाथों करारी चोट मिली।चाहे 1999 का पाकिस्तानी कारगिल क्षद्म युद्ध हो या फिर 2025 का भारत द्वारा शुरू किया गया आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन सिंदूर, भारत ने पाकिस्तान को जो रणनीतिक मात दी, उससे उसकी अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती भी हुई।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत विरोधी कुचक्र चलाये रखना और आतंकवादियों को सहयोग देते रहना पाकिस्तान की पॉलिसी की तरह है। इसलिए हमें उसकी परमाणु युद्ध की धमकी से डरना नहीं चाहिए, बल्कि इजरायल की तरह ही ऐसा निर्णायक सैन्य ऑपरेशन चलाना चाहिए कि भारत अपना पुराना पाकिस्तानी भूभाग भी वापस ले ले और उसे उनकी नियति के अनुरूप भारतीय सैन्य शासन के तहत ही हमेशा रखे। ग्रेटर इंडिया के हित में ऐसा किया जाता बहुत जरूरी है। बदलते वक्त की मांग है। यह ठीक है कि भारत ने परमाणु बम मामले में नो फर्स्ट यूज की नीति अपना रखी है यानी वह परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। वहीं, किसी गैर परमाणु शक्ति देश के खिलाफ भी एटमी पावर नहीं दिखाई जाएगी। लेकिन, पाकिस्तान ऐसी किसी नीति से नहीं बंधा हुआ नहीं है जो हम सबके लिए फिक्र की बात है। जबकि मुनीर का मूर्खतापूर्ण अंदाज है कि हम अपने साथ आधी दुनिया को भी ले डूबेंगे। स्पष्ट है कि यह सबकुछ पाकिस्तान के असुरक्षित एटॉमिक डॉक्ट्रिन का नमूना है। इसलिए एहतियाती सावधानी बरतने में कोई कोर-कसर भी नहीं छोड़ना चाहिए।

सच कहूं तो पाक सेनाध्यक्ष मुनीर का बयान उकसाने वाला और शांति की जारी कोशिशों के खिलाफ है। क्योंकि उनके कथित बाप अमेरिका को यही पसंद है। यह घोर अंतरराष्ट्रीय विडंबना है कि उन्होंने इन बातों के लिए उस जगह को चुना, जिसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आधा दर्जन युद्ध रुकवाने का फर्जी दावा कर रहे हैं और जिनके लिए शांति का नोबेल मांगने वालों में पाकिस्तान भी है। दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली जैसा किसी भी युद्ध में अमेरिका के शामिल नहीं होने का जो दावा किया था, उसकी अब पोल खुल रही है। मेरा मानना है कि उनका मकसद है अब अमेरिका सीधे युद्ध नहीं करेगा, बल्कि करवाने में हरसंभव सहयोग करेगा, जैसा कि यूक्रेनी खनिज संपदा हथियाने के लिए वह वहां कर रहा है। ऐसा ही अन्य देशों में भी वह करेगा।

चूंकि अब उनकी नजर पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित बेशकीमती खनिज संपदा पर है, इसलिए अब उसे भारत के खिलाफ उकसा रहे हैं। उन्हें यह भी पता है कि पाकिस्तान अब चीन के शरणागत है। इसलिए उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान से रिश्ते सुधरते ही चीन के साथ उनके पुराने रिश्ते सुधर जाएंगे। इससे उन्हें भारत-रूस की कूटनीतिक लगाम कसने में सुविधा होगी। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि यह आम बात नहीं हो सकती कि मुनीर दो महीने के भीतर दूसरी बार अमेरिका की यात्रा पर हैं। इन दो महीनों के दौरान दोनों देशों के रिश्तों में काफी बदलाव आया है, क्योंकि ट्रंप को अब इस्लामाबाद के रूप में एक प्रमुख क्षेत्रीय सहयोगी दिख रहा है। यह कड़वा सच है कि पाकिस्तान को पुनः मजबूत करके भारत पर पुनः हमला करवाने के लिए ही तो ट्रंप ने सीज फायर करवाया था, जैसा कि वो दावे पर दावे करते आये हैं। इसलिए अब पाकिस्तान के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय खलनायक अमेरिका का भी माकूल इलाज सुनिश्चित करवाने का समय आ गया है।

आजादी के 78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

(योगेश कुमार गोयल)

ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस प्रश्न का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह न जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर कहते किसे हैं?

प्रत्येक भारतवासी के लिए 15 अगस्त का दिन गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। हालांकि स्वतंत्रता दिवस को लेकर आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में वही जज्बा और उत्साह समाहित है लेकिन जब हर वर्ष स्वतंत्रता के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत सारे ऐसे जनप्रतिनिधियों को देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 78 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं। विधानसभाओं की तो क्या बात करें, जब संसद की कार्यवाही ही कभी विपक्ष और कभी स्वयं सत्ता पक्ष द्वारा ही कई-कई दिनों तक लगातार नहीं चलने दी जाए तो राष्ट्र के लिए इससे ज्यादा चिंतनीय स्थिति और क्या हो सकती है? संसद में होने वाले ऐसे हंगामों के कारण प्रति मिनट आम आदमी के करीब ढ़ाई लाख रुपये बर्बाद होते हैं यानी हर एक घंटे में करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च होते हैं। अब चूंकि संसद की कार्यवाही प्रतिदिन 6 घंटे चलनी होती है, ऐसे में संसद के दोनों सदनों में दोनों पक्षों के विरोध, हो-हल्ले और शोर के कारण जनता के खून-पसीने की कमाई के प्रतिदिन करीब 9 करोड़ रुपये से अधिक बर्बाद हो जाते हैं।

गंभीर चिंतन का विषय है कि वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, वह 78 वर्षों में ही कितना विकृत हो चुका है। आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, वहां कुछ दशकों में ही आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है और चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया है। लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की लगातार बढ़ती घटनाएं और समाज में अपराधों की बढ़ती सीमा को देख बुजुर्ग तो अब कहने लगे हैं कि गुलामी के दिन तो आज की आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय तो व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। 'सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का' कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ जिस तरह की दरिंदगी की गई है, ऐसे मामलों को देखते हुए और क्या कहा जाए? देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। इस तरह के हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कोई गिराने में। संसद और विधानसभाओं में हंगामे आए दिन की बात हो गई है। आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा देश रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब बुरी तरह झुलसते रहे हैं और हर कोई इस तरह के परिवेश का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में जुटा नजर आता है। आजादी के बाद के इन करीब साढ़े सात दशकों में भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। बगैर लेन-देन के प्रायः कोई कार्य सम्पन्न नहीं होता। बड़े नेता की तो कौन कहे, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। यह आजादी का एक शर्मनाक पहलू ही है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि अक्सर सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है। ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस प्रश्न का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह न जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर कहते किसे हैं? देश को? व्यक्ति को? समाज को? यह जानना भी जरूरी है कि क्या कुछ बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित व्यक्ति, समाज या देश को स्वतंत्र कहा जा सकता है?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है।

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

संघ के स्वयंसेवकों ने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' आंदोलन में भी सहभागिता की। 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवलिया टैंक मैदान पर कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधीजी ने आंदोलन की घोषणा की। दूसरे दिन से ही देशभर में आंदोलन प्रारंभ हो गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अकसर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकर्ताओं की लंबी शृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं को यह शपथ दिलाता हो कि 'मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूँ', उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है।

भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिशचंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराण प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके 'स्वराज्य' की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- 'हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है'। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था। डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- 'ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठा साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा'। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 'नमक सत्याग्रह' में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में 'जंगल सत्याग्रह' किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सत्याग्रहियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। डॉक्टर साहब को नौ माह का कठोर कारावास दिया गया। इससे पूर्व 1921 के आंदोलन में भी डॉक्टर साहब को जेल की सजा हुई थी। महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन को मध्यभारत

में सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों ने अथक प्रयास किया। संघ के सरकार्यवाह जीएम हुद्दार, नागपुर के संघचालक अप्पा साहेब हलदे, सिरपुर के संघचालक बाबूराव वैद्य, संघ के सरसेनापति मार्तंडराव जोग के साथ संघ के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं के आंदोलन में शामिल होने के कारण चार-चार माह का कारावास मिला। अपनी स्थापना के कई वर्षों बाद कांग्रेस को जनमानस के दबाव के कारण 31 दिसंबर, 1929 को लाहौर में रावी के तट पर पहली बार 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पारित करना पड़ा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने 1920 में नागपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में ही पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास किया था। उन्होंने कांग्रेस की प्रस्ताव समिति के सामने सुझाव रखा था कि कांग्रेस का उद्देश्य भारत को पूर्ण स्वतंत्र कर भारतीय गणतंत्र की स्थापना करना और विश्व को पूंजीवाद के चंगुल से मुक्त करना होना चाहिए। बहरहाल, सम्पूर्ण स्वतंत्रता का उनका सुझाव कांग्रेस ने 9 वर्ष बाद 1929 के लाहौर अधिवेशन में स्वीकृत किया। कांग्रेस का यह निर्णय संघ के घोषित उद्देश्य के अनुरूप था। इसलिए इससे आनंदित होकर सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार ने संघ की सभी शाखाओं को 26 जनवरी, 1930 को कांग्रेस का अभिनंदन करने, राष्ट्रध्वज का वंदन करने और स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही यह भी कहा कि शाखाओं पर भाषण करके स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ एवं महत्व को समझाया जाए। सरसंघचालक के निर्देशानुसार, संघ की सभी शाखाओं पर 26 जनवरी, 1930 को सायं 6 बजे स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

संघ के स्वयंसेवकों ने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' आंदोलन में भी सहभागिता की। 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवलिया टैंक मैदान पर कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधीजी ने आंदोलन की घोषणा की। दूसरे दिन से ही देशभर में आंदोलन प्रारंभ हो गया। विदर्भ में बावली (अमरावती), आष्टी (वर्धा) और चिमूर (चंद्रपुर) में हुए आंदोलनों में संघ के स्वयंसेवकों ने ही नेतृत्व किया। चिमूर के समाचार बर्लिन रेडियो पर भी प्रसारित हुए। यहां के आन्दोलन का नेतृत्व कांग्रेस के उद्धवराव कोरेकर और संघ के अधिकारी दादा नाईक, बाबूराव बेगडे, अण्णाजी सिरास ने किया। चिमूर के इस आन्दोलन में अंग्रेज की गोली से एकमात्र मृत्यु बालाजी रायपुरकर की हुई, जो संघ स्वयंसेवक थे।

हत्या की नियत से वार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते 16 अगस्त को* प्रार्थी धुपेश ऊर्फ दद्दू चंद्राकर उम्र 25 वर्ष निवासी बेतर, चौकी खण्डसरा थाना व जिला बेमेतरा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 16.08.2025 को कृष्ण जन्माष्टमी पर्व होने से मोहल्लावासी के द्वारा ग्राम दशरंगपुर के डी.जे. को लाया गया था जिसमे तभी हर्षोल्लास के साथ नाच रहे थे कि दुर्गा चौक के पास रात्रि करीबन 08:30 बजे कुछ लोग बाद विवाद हुए थे जिसे टीकम चन्द्राकर बीच बचाव कर छुड़ाया था कि रात्रि करीबन 10.00 बजे डीजे में दाऊराम साहू के घर के सामने में, मेरा भाई जलेश्वर चन्द्राकर एवं गांव के अन्य लोग डीजे में नाच रहे थे कि उसी बात को लेकर एक विधि से संघर्षरत बालक अपने हाथ, में चाकु को लेकर आज तुझे जान से मार दूंगा कहकर मेरे भाई जलेश्वर चन्द्राकर को प्राण घातक चोट पहुंचाने की नियत से अपने हाथ मे रखे चाकु से वार किया जिससे भाई को गंभीर चोट लगा है। भाई को घायल अवस्था में खण्डसरा अस्पताल में लाकर भर्ती कराया हूं, जिसे प्राथमिक उपचार बाद उचित इलाज के लिए हायर सेंटर रिफर किया गया है। इस रिपोर्ट पर चौकी खण्डसरा, थाना बेमेतरा में धारा 109(1),3(5) भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। *घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह एवं एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की के मार्गदर्शन में पुलिस चौकी प्रभारी खण्डसरा उप निरीक्षक ओंकार प्रसाद साहू के साथ चौकी स्टाफ द्वारा विवेचना कार्य प्रारंभ की गई। प्रकरण में विवेचना के दौरान त्वरित कार्यवाही करते हुए एक विधि से संघर्षरत बालक से उनके परिजनों के सामने पुछताछ करने पर पता चला कि अपने दोस्त ललित साहू के साथ मिलकर घटना कारित करना। आरोपी ललित साहू के निशादेही पर घटना मे प्रयुक्त सब्जी काटने का चाकू जप्त किया गया।आरोपी ललित साहू पिता स्व. शत्रुहन साहू उम्र 18 वर्ष, 10 माह निवासी बेतर चौकी खण्डसरा, थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा, जिला बेमेतरा को दिनांक 17.08.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में चौकी प्रभारी खण्डसरा उप निरीक्षक ओंकार प्रसाद साहू, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र मनहर, आरक्षक ऐश्वर्य कुमार सिन्हा, योगेन्द्र सोनी, रोशन वर्मा, सुरेश नारंग, महेन्द्र सोनवानी, स्वपनिल पांडेय, सहित चौकी खण्डसरा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

कुसमी में एक पेड़ अपना व अपनों के नाम थीम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा /मूक पत्रिका

जीवन एक मुस्कान अनेक सेवा संस्था कुसमी द्वारा ग्राम कुसमी के महाराज तालाब एवं मुक्तिधाम परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य थीम ÷एक पेड़ अपना व अपनों के नाम÷ रखा गया। इस अवसर पर विभिन्न परिवारों व समाजसेवियों ने अपने परिजनों की स्मृति में वृक्षारोपण किया। इनमें स्व. किशन लाल जी बजाज की स्मृति में बजाज स्टील बेमेतरा द्वारा, स्व. मनोहर लाल शर्मा की स्मृति में जितेंद्र कुमार शर्मा द्वारा, पंचराम साहू सपरिवार द्वारा, स्व. मेहत्तर देवांगन की स्मृति में चंद्रकुमार देवांगन द्वारा, स्व. झाडूराम देवांगन व श्रीमती मगतिन बाई देवांगन की स्मृति में गौतम देवांगन द्वारा, स्व. मोहित लाल साहू की स्मृति में ओमप्रकाश साहू द्वारा, तथा बुधारू साहू सपरिवार, मोहन वर्मा-निमा वर्मा, मोहन निषाद सपरिवार, डॉ. पुरुषोत्तम साहू, कुलेश्वर देवांगन व तिलेश्वरी देवांगन द्वारा वृक्षारोपण किया गया। संस्था के अध्यक्ष भारत कुमार सेन ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं, जिनसे प्राणवायु, फल, फूल, औषधि व लकड़ी प्राप्त होती है। उन्होंने संदेश दिया ङ्क ÷वृक्ष लगाओ, अपना जीवन बचाओ÷। साथ ही यह भी कहा कि शास्त्रों में वृक्ष को सौ संतान के बराबर बताया गया है, इसलिए हर व्यक्ति को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष भारत कुमार सेन, उपाध्यक्ष विष्णु साहू, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार साहू सहित ओमप्रकाश साहू, राकेश देवांगन, गोवर्धन देवांगन, राजू साहू, केरिस निषाद, जितेंद्र देवांगन, राजू देवांगन, हेमंत बंजारे, मोहन निषाद, जितेंद्र कुमार शर्मा, रामशरण साहू, फत्ते साहू एवं ग्रामवासी सहित बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सांप्रदायिक तत्वों द्वारा विद्यालय में गुंडागर्दी व तिरंगा का अपमान, भीम रेजिमेंट ने सौंपा ज्ञापन

नवागढ़ (बेमेतरा)/मूक पत्रिका

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर, नवागढ़ में सांप्रदायिक लोगों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अपमान एवं विद्यालय परिसर में घुसकर गुंडागर्दी करने का गंभीर मामला सामने आया है। असामाजिक तत्वों ने विद्यालय की शांति भंग कर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की, जिसे लेकर क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। इस घटना के विरोध में भीम रेजिमेंट ब्लॉक इकाई नवागढ़ ने सोमवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की। संगठन ने ज्ञापन में लिखा है कि तिरंगे जैसे राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक का अपमान किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। भीम रेजिमेंट छत्तीसगढ़ ने प्रशासन को 15 दिवस का अल्टीमेटम दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में दोषियों पर उचित कार्यवाही नहीं हुई, तो भीम रेजिमेंट उग्र आंदोलन एवं प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी।

सरोना पंचायत ने नाली समस्या का किया समाधान

बरसात में पानी घुसने की समस्या से मिलेगी राहत

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले के जनपद पंचायत नरहरपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सरोना में लगातार हो रही बारिश के चलते कई घालों और घरों में पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो गई थी। स्थिति को गंभीर देखते हुए सरपंच दीपिका वट्टी और पंचायत परिवार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाली की समस्या का समाधान करने के लिए रपटा निर्माण कार्य शुरू करवाया। जानकारी के अनुसार भारी वर्षा के कारण गांव के कई हिस्सों में पानी नालियों से निकलकर घरों और सड़कों में प्रवेश कर रहा था, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी। इसी समस्या को देखते हुए पंचायत ने तत्काल निर्णय लेते हुए जेसीबी मशीन बुलाकर कार्य की शुरुआत की। इस कार्य के शुभारंभ के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों की पूरी टीम मौजूद रही। सरपंच दीपिका वट्टी और उपसरपंच दिनेश सहारे के नेतृत्व में पंचगण यशवंत सुरोजिया, मुकेश रजक, तामेश कोर्राम, वेशबत्ती सहारे समेत कई ग्रामीणों ने उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया। ग्रामवासियों ने बताया कि पंचायत द्वारा समय रहते नाली और रपटा निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाने से बरसात के दिनों में जलजमाव और घरों में पानी घुसने की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने सरपंच, उपसरपंच और पूरे पंचायत परिवार का आभार व्यक्त करते को गंभीरता से लेकर तत्काल समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया, जो सराहनीय है।

तेज गति वाहन चालको के विरुद्ध यातायात पुलिस की सख्त कार्यवाही

कांकेर/मूक पत्रिका

उत्तर बस्तर कांकेर से पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. के. एलिसेला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा के निर्देशानुसार, दीपक सॉव यातायात प्रभारी कांकेर एवं यातायात टीम के द्वारा जिले मे आये दिन बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओ मे कमी लाने हेतु दिनांक 18/08/2025 को ऊपर नीचे रोड : गोविंदपुर एवं बाफना लान के पास चेकिंग पॉइंट लगाकर इंटरसेप्टर वाहन से विशेष अभियान चलाकर ओव्हर स्पीड से वाहन चालन करने वाले कुल 14 बस चालकों के विरुद्ध कार्यवाही * करते हुए समन शुल्क की राशि 28000/- रूपये वसूली गयी इसके साथ ही साथ भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के परिपालन मे विशेष पहल करते हुए ॥स्त्रक्क नम्बर प्लेट संबंध मे यातायात शाखा कांकेर मे कैम्प लगाकर लोगों को जागरूक कर लगभग 40 लोगों का ॥स्त्रक्क नम्बर प्लेट हेतु रजिस्ट्रेशन किया गया इस प्रकार कार्यवाही निरंतर आगे भी जारी रहेगा।

'नव कौशल पथ नई राह नया हुनर' प्रवेश उत्सव आईटीआई बेमेतरा में आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वर्गीय चंदूलाल चंद्राकर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बेमेतरा में बीते सोमवार को प्रातः 10:00 बजे से ÷नव कौशल पथ नई राह नया हुनर÷ प्रवेश उत्सव बड़े उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रोजगार अधिकारी चिन्मय चौधरी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण (आईटीआई) से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं तथा आईटीआई के उपरांत रोजगार व आत्मनिर्भरता के अवसरों पर विस्तृत प्रकाश डाला।कार्यक्रम में आईटीआई बेमेतरा के पूर्व प्रशिक्षणार्थी भी सम्मिलित हुए, जिन्होंने विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करते हुए रोजगार उन्मुख अवसरों एवं कौशल विकास की दिशा में मार्गदर्शन दिया।संस्थान के सभी प्रशिक्षण अधिकारियों ने अपने-अपने विषय से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की और विद्यार्थियों को न केवल तकनीकी शिक्षा बल्कि व्यक्तित्व विकास की ओर भी प्रेरित किया।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ ने हर्ष उल्लास से मनाया स्वाधीनता पर्व

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

पूरे देशभर में पेंशनरों के लिए सक्रियता से कार्य करने वाला अखिल भारतीय स्तर का एक मात्र संगठन भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश की जांजगीर चांपा जिला इकाई द्वारा राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। शंकर नगर जगदल्ला चांपा में वरिष्ठ पेंशनर राम चरण थवाईत के आवास गृह के सामने स्वाधीनता पर्व के अवसर पर आन बान शान के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ जिला शाखा जांजगीर चांपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनहरण सिंह राजपूत जी जी सर्वप्रथम मंत्रोच्चार के साथ भारत माता एवम राष्ट्रीय ध्वज का पूजन किया।पूजा अर्चना के पश्चात मनहरण सिंह राजपूत जी जी राष्ट्रीय ध्वज फहराया।ध्वजारोहण के पश्चात सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया गया। राष्ट्रगान के पश्चात उपस्थित सभी पेंशनर साथियों ने भारत माता का पूजन किया एवम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के इस पावन बेला पर कार्यक्रम में उपस्थित पेंशनर साथियों को संबोधित करते हुए भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ जिला शाखा जांजगीर चांपा के अध्यक्ष परमेश्वर स्वर्णकार ने कहा राष्ट्रीय तिरंगा झंडा हमारे त्याग ,बलिदान का प्रतीक है।देश के करोड़ों भारतवासियों के श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। भारत की आजादी और राष्ट्रीय तिरंगा झंडा के आन , बान, शान के लाखों लोगों ने अपनी कुर्बानियां दी है।हम सबको हर कीमत पर भारत देश की एकता ,अखंडता ,सद्भावना को बरकरार रखना है।आज भारत देश तेज गति से विकास की ओर अग्रसर है।आत्मनिर्भरता की ओर देश बढ़ रहा है।भारत को और अधिक आत्मनिर्भर ,विकसित बनाने के लिए स्वदेश और स्वदेशी के भाव को हर घर परिवार तक पहुंचाना है। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला कोषाध्यक्ष हेमंत कुमार सोनी ने किया। इस अवसर पर छोटे लाल देवांगन,प्रभाकर देवांगन, के के गौरहा,ललित स्वर्णकार पूर्व सैनिक छोटे लाल बरेठ,सतीश कुमार बरेठ , तिजेंद कुमार तिवारी,ओम प्रकाश केशरवानी, रामेश्वर देवांगन , एस के चंदन ,अधिवक्ता मनोज कुमार थवाईत,लक्ष्मी प्रसाद राठौर,एस के मारिक, आर एम राव,देव कुमार देवांगन, श्रीमति राम बाई स्वर्णकार, श्रीमति शांति थवाईत ,राजेश कुमार थवाईत , ए के घृत लहरे की गरिमा मय उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंत में श्री श्याम माधव होम्योपैथिक क्लिनिक के संचालिका डॉ लक्ष्मी प्रियम स्वर्णकार के सौजन्य से प्रसाद का वितरण किया गया।

वोट चोरी का झूठा भ्रम फैला रही कांग्रेस-राहुल असरानी

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के प्जिला मीडिया प्रभारी दंतेवाड़ा राहुल असरानी ने कहा कि वोट चोरी का कांग्रेस झूठा भ्रम फैला रही है। कांग्रेस को निर्वाचन की मामूली समझ भी नही है, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तरह कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज भी उसी राह पर चल रहे है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग के चुनाव को लेकर जारी नियमो को पढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि छत्तीसगढ़ राज्य में सम्पन्न विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान बैज ने कांग्रेस पार्टी की तरफ से एक व्यक्ति को निर्वाचन संबंधी कार्यों के लिए अधिकृत किया था, जो छत्तीसगढ़ राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईओ) जाकर मतदाता सूची कार्य को देखते थे और 'सब कुछ सही है' कहकर सभी दस्तावेजों पर दस्तखत तक किए हैं। जब कांग्रेस द्वारा नियुक्त व्यक्ति ने सब कुछ वेरीफाई कर दस्तखत किया है, अब चुनाव सम्पन्न होने के बाद सवाल उठाना बेमानी है।राहुल असरानी ने आगे कहा कि दरअसल कांग्रेस राज्य ही नही देश मे मुद्दों के अभाव से जूझ रही है।

इसलिए झूठे और निराधार आरोप लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की असफल कोशिश कर रही है, जिसे देश ही नही प्रदेश की जनता भी भली भांति समझ रही है राहुल असरानी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली को हटाने की मांग कांग्रेस कर रही है, लेकिन उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि पूरे देश में चुनाव आयोग व कार्यालयों में कहीं भी स्थायी नियुक्ति नहीं होती। चुनाव से दौरान अधिकारी कर्मचारी राज्य और केंद्र सरकार प्रतिनियुक्ति पर लिए जाते है। चुनाव के समय जो अधिकारी कार्य करते है, उनके श्रम साध्य का भी कांग्रेस मजाक बना रही है। राहुल असरानी ने कटाक्ष किया कि कांग्रेस के लोगों को तो केवल एक परिवार ही सही लगता है, तो क्या कांग्रेस की मंशा के अनुरूप राहुल गांधी को मुख्य चुनाव आयुक्त बना दें? कांग्रेस जब जब चुनाव हारती है तो अपनी हार का ठीकरा इ वि एम् पर थोपती है , कांग्रेस को इस देश की जनता नकार चुकी है लगातार करारी हार के बाद कांग्रेस अपना मानसिक संतुलन खो चुकी है और अपने नाकामी के लिए आरोप लगाकर मुद्दों की कमी से जूझ रही कांग्रेस पार्टी झूठे आरोपों का सहारा लेना चाहती है ।

गार्ड ऑफऑनर के साथ अंतिम विदाई

नक्सली IED ब्लास्ट में शहीद हुए बीजापुर के लाल दिनेश नाग, तीन जवान घायल

बीजापुर /मूक पत्रिका

बीजापुर (आशीष पदमवार) - छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर कायराना हरकत को अंजाम दिया है। नेशनल पार्क क्षेत्र में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिज़र्व गार्ड) की टीम पर नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी (ढ्ढश्वष्ठ) धमाके में बीजापुर के वीर जवान दिनेश नाग शहीद हो गए, जबकि तीन अन्य जवान घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, डीआरजी की टीम 17 अगस्त को माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी। 18 अगस्त की सुबह भोपालपट्टनम थाना क्षेत्र के चिल्लामरका जंगल में सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट हो गया। धमाका इतना भीषण था कि जवान दिनेश नाग मौके पर ही शहीद हो गए। तीन घायल जवानों का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल जवान अब खतरे से बाहर हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि घायल जवानों में भरत धीवर, पैकू इंला और मुंगारू राम कवासी शामिल हैं। फिलहाल घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। उन्होंने जानकारी दी है कि बलिदान जवान दिनेश नाग बीजापुर के वार्ड क्रमांक 15 के रहने वाले थे। घटना के बाद इलाके में जवानों ने सर्चिंग अभियान तेज कर दिया है'। बीजापुर गूंजा 'अमर शहीद दिनेश नाग अमर रहें' के नारों से जवान की शहादत की खबर से पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। शहीद जवान का पार्थिव शरीर जब बीजापुर पहुंचा तो 'अमर शहीद दिनेश नाग अमर रहें' के नारों से गूंज उठा।

गार्ड ऑफऑनर के साथ अंतिम विदाई– शहीद जवान के पार्थिव देह को रक्षित केन्द्र बीजापुर स्थित शहीद वाटिका में गार्ड ऑफ हॉनर दिया गया। श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्रीय विधायक माननीय विक्रम मण्डावी, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, उपाध्यक्ष भुवन चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पी., उप पुलिस महानिरीक्षक दंतेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप, उप महानिरीक्षक केरिपु ऑप्स बीजापुर सेक्टर भूपेन्द्र सिंह नेगी, कलेक्टर संबित मिश्रा, कमांडेंट 15वीं वाहिनी सीआरपीएफ मयंक गुर्जर, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे, अति. पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार मीणा, अति. पुलिस अधीक्षक अमन कुमार झा, अति. पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना, अति. पुलिस अधीक्षक ऑप्स युलैण्डन यार्क, उप पुलिस अधीक्षक घनश्याम कामड़े, डीआरजी उप पुलिस अधीक्षक विनीत साहू, उप पुलिस अधीक्षक आप्स सुदीप सरकार, शहीद के परिजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान– शहीद दिनेश नाग की शहादत ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि नक्सलियों की हिंसक रणनीतियों के बावजूद देश के वीर सपूत मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव अडिग रहेंगे। दिनेश नाग अब केवल एक नाम नहीं, बल्कि साहस, समर्पण और शौर्य का प्रतीक बन चुके हैं। उनकी शहादत को हमेशा याद किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बीजिंग में स्वतंत्रता दिवस समारोह में चीन के दो वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए, सुधर रहे संबंध

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका से तनाव के बीच भारत और चीन के बीच संबंध धीरे-धीरे सुधरने लगे हैं। चीन के दो वरिष्ठ मंत्री शुक्रवार को बीजिंग में भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए। बीजिंग की ओर से यह कदम इस महीने के अंत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावित चीन यात्रा से पहले उठाया गया है। विदेश मामलों के उप मंत्री मियाओ देयू और सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप मंत्री सुन हैयान कोविड-19 महामारी और पूर्वी लद्दाख के गतिरोध के बाद पहली बार आयोजित एक भव्य स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि थे। कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सुन ने भारत को बधाई दी और कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध वर्तमान में सुधार और विकास की गति बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी भारत में सभी राजनीतिक दलों के साथ विचारों के आदान-प्रदान और संवाद को मजबूत करने तथा संबंधों को सुधारने और विकसित करने में सकारात्मक भूमिका निभाने की इच्छुक है। अपने संबोधन में चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने भारत-चीन संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''मानव इतिहास को आकार देने में हमारी दोनों देशों की जनता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और शांति एवं विकास को बढ़ावा देना हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा, ''भारत और चीन को 2.8 अरब लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, भारत और चीन के बीच संबंध स्थिरता और संतुलन का कारक हैं।'' इसके पहले रावत ने शुक्रवार को तिरंगा फहराया। दूतावास ने एक रंगारंग समारोह में 79वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया जिसमें बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय शामिल हुए। ध्वजारोहण के बाद, रावत ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्र के नाम संबोधन के अंश पढ़े, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। 'एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक' (एआईआईबी) के उपाध्यक्ष अजय भूषण पांडे सहित भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य इस कार्यक्रम में शामिल हुए। शंघाई में, भारतीय महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने दूतावास परिसर में तिरंगा फहराया। वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्यक्रम में शंघाई नगर पालिका और जिआंगसु व झेजियांग प्रांतों में फैले वाणिज्य दूतावास के अधिकार क्षेत्र में रहने वाले 200 से अधिक भारतीय नागरिकों के साथ-साथ विशिष्ट अतिथि, सामुदायिक नेता, स्थानीय चीनी समुदाय के भारत के मित्र और राजनयिक समूह के सदस्य शामिल हुए।

सीएटल में ज्वेलरी शॉप में 90 सेकंड में 2 मिलियन डॉलर की चोरी

सीएटल, एजेंसी। सीएटल के वेस्ट एरिया में दिनदहाड़े एक ज्वेलरी शॉप में चार नकाबपोश चोरों ने सिर्फ 90 सेकंड में बड़ी चोरी को अंजाम दिया। चोर लगभग 20 लाख डॉलर (करीब 16 करोड़ रुपये) के हीरे, लग्जरी घड़ियां, सोना और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, घटना गुरुवार को हुई। दुकान की सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि चोरों ने पहले हथौड़ों से दुकान का लॉक लगा कांच का दरवाजा तोड़ा और फिर छह डिस्प्ले केस को लूट लिया। इनमें से एक केस में करीब 7.5 लाख डॉलर (करीब 6 करोड़ रुपये) की रोलेक्स घड़ियां थीं और दूसरे में 1.25 लाख डॉलर (करीब 1 करोड़ रुपये) की एक पन्ना (एमराल्ड) की हार रखी थी। एक चोर ने स्टाफ को बेयर स्प्रे और टेजर (बिजली का झटका देने वाला हथियार) दिखाकर धमकाया, हालांकि किसी को चोट नहीं आई। दुकान के वाइस प्रेसिडेंट जोश मेनाशे ने बताया कि हम सब इस घटना से काफी सदमे में हैं। फिलहाल दुकान कुछ समय के लिए बंद रहेगी। उन्होंने कहा कि स्टाफ ने कांच साफ कर दिया है और अब

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बाढ़ का कहर, मृतकों का आंकड़ा 300 के पार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुई बारिश ने तबाही मचा दी है। कई दिनों से हो रही मूसलधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं ने अब तक 300 से अधिक लोगों की जान ले ली है। प्रांतीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अचानक आई बाढ़ में 307 लोग मारे गए, जिनमें से बुनेर में कम से कम 184 लोगों की मौत हुई। शांगला में 36 लोगों की मौत हुई, जबकि मनसेहरा में 23, स्वात में 22, बाजौर में 21, बट्टाग्राम में 15, लोअर दीर में पांच, जबकि एबटाबाद में एक बच्चा डूब गया।

शुक्रवार को आई विनाशकारी बाढ़ ने सड़कों, पुलों, इमारतों और बिजली प्रतिष्ठानों सहित बुनियादी ढांचे को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ के दौरान लापता हुए लोगों की संख्या का पता पानी कम

होने के बाद ही चल पाएगा।

पीडीएमए ने नुकसान का आकलन जारी रखते हुए बताया कि सात घर नष्ट हो गए और 38 क्षतिग्रस्त हो गए, जिनमें से ज्यादातर स्वात जिले में हैं। पीडीएमए ने आगे बताया कि तीन स्कूल नष्ट हो गए और तीन अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि प्रांत के विभिन्न हिस्सों में 21 अगस्त तक बारिश जारी रहेगी।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने शनिवार को एक दिन के शोक की घोषणा की है। इसमें बचाव अभियान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुए एमआई-17 हेलीकॉप्टर के चालक दल के पांच सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई, जो शहीद हो गए।

अचानक आई बाढ़ के बाद बुनेर जिले में बचाव दल की 1122 टीमों ने 300 स्कूली बच्चों समेत 2,071 फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। उपायुक्त काशिफ कय्यूम ने बताया कि आपदा प्रभावित इलाकों में राहत कार्य जारी रहने के कारण पूरे जिले में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

मनसेहरा में, पुलिस ने कघन घाटी के ऊपरी इलाकों में फंसे सात पर्यटकों को बचाया। वे सिमिक्सर झील घूमने आए थे, लेकिन बारिश और भूस्खलन के कारण फंस गए। पूरे दिन जिले में बारिश होती रही, जिससे सिंधु, सिरेन और कुनहर नदियां और उनकी सहायक नदियां खतरनाक रूप से उफान पर आ गईं। जिला प्रशासन ने सिरेन घाटी में पर्यटकों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सिंधु नदी में जल स्तर बढ़ने के कारण स्थानीय अधिकारियों द्वारा उचार नाला क्षेत्र में काराकोरम राजमार्ग पर आवाजाही प्रतिबंधित करने के बाद खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान के बीच यात्रा करने वाले यात्री और पर्यटक ऊपरी कोहिस्तान में फंस गए।

एबटाबाद शहर बुरी तरह प्रभावित हुआ, लगभग सभी मुख्य सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। पीएमए काकुल रोड, मीरपुर मेडियन रोड, सप्लाई रोड, काराकोरम हाईवे, सेठी मस्जिद रोड, इकबाल रोड, बांदा दलाजक, बांदा खैर अली खान रोड, त्रकाना और सिएना लैबोरेटरी के पास लिंक रोड सहित प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं। निचले दीर के कंबट और शाही इलाकों के दूसरी तरफ पानी का बहाव तेज होने के कारण शाही इलाके में 25 से ज्यादा पर्यटक और उनके वाहन फंस गए। फ्रंटियर कोर 181 विंग, रेस्क्यू 1122 और जिला प्रशासन के जवानों ने उन्हें बाहर निकाला।

पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने जेलेंस्की को किया कॉल

वाशिंगटन, एजेंसी। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मीटिंग खत्म होने के कुछ ही देर के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को फोन किया। उन्होंने शनिवार को पुतिन के साथ हुई अहम शिखर वार्ता की जानकारी दी। इसके बाद उन्हें तुरंत अमेरिका आने के लिए कहा है। आपको बता दें कि जेलेंस्की की पिछला अमेरिका दौरा काफी खराब रहा था। वह बैठक बीच में ही छोड़कर निकल गए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार जेलेंस्की जल्द ही फिर वॉशिंगटन की यात्रा पर जा सकते हैं। माना जा रहा है कि इस यात्रा का एजेंडा यूक्रेन युद्ध, अमेरिकी सहयोग और रूस पर दबाव बनाने की रणनीति होगा।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 155 सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत द्वारा मई 2025 में की गई सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर एक नया खुलासा सामने आया है जिसने पाकिस्तान की असलियत उजागर कर दी है। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक पोस्ट और पाकिस्तान के ही समाचार चैनल समा टीवी की रिपोर्ट से पता चला है कि इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के कम से कम 155 सैनिक मारे गए थे। हालांकि पाकिस्तान सरकार ने इस नुकसान को छिपाने की नाकाम कोशिश की लेकिन एक वीरता पुरस्कारों की सूची ने पूरी सच्चाई सामने ला दी। रिपोर्ट के अनुसार जिन सैनिकों को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार दिए गए उनके नामों के आगे शहीद लिखा गया था।

समा टीवी की रिपोर्ट कुछ देर के लिए वेबसाइट पर लाइव रही और फिर तुरंत डिलीट कर दी गई। लेकिन तब तक कई लोगों ने उसका स्क्रीनशॉट और डेटा सेव कर लिया था। इस रिपोर्ट में ऑपरेशन बुनयान उल मरसूस नाम का ज़िक्र था, जो कि पाकिस्तान की तरफ से 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में किया गया एक सैन्य प्रयास बताया जा रहा है। इसी रिपोर्ट में पाकिस्तान के राष्ट्रपति द्वारा दिए गए वीरता पुरस्कारों की सूची प्रकाशित की गई थी। सभी नामों के आगे 'शहीद' लिखा होने से यह साफ हो गया कि पाकिस्तान को युद्ध के मैदान में भारी नुकसान हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर भारत द्वारा मई 2025 में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को बिल्कुल सटीक तरीके से निशाना बनाकर की गई एक सैन्य कार्रवाई थी। इस ऑपरेशन की पृष्ठभूमि में अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में हुए आतंकी हमला था। इसका बदला लेने और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर कड़ा संदेश देने के लिए भारत ने यह ऑपरेशन शुरू किया।

हड़ताल पर गए एअर कनाडा के क्रू मेंबर्स, कपंनी ने सैकड़ों उड़ानें की रद; लाखों यात्री होंगे परेशान

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां की सबसे बड़ी एअरलाइन की उड़ाने एक के बाद एक रद की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार को सुबह से ही एअरलाइन के क्रू मेंबर हड़ताल पर चले गए, जिसके बाद सैकड़ों उड़ानों को रद करना पड़ा। क्रू मेंबर्स की हड़ताल और लगातार उड़ानों के रद होने का सीधा असर यात्रियों पर नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि इस कारण 100,000 से अधिक यात्रियों की यात्रा योजनाएं बाधित हो सकती हैं। जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में अटेंडेंट्स को विमान के चलने के दौरान भुगतान किया जाता है और संघ उड़ानों के बीच जमीन पर बिताए गए समय और यात्रियों को विमान में चढ़ने में मदद करने के लिए भी मुआवजे की मांग कर रहा था। बता दें कि 10,000 से अधिक एयर कनाडा फ्लाइट अटेंडेंट्स का प्रतिनिधित्व करने वाले संघ ने लगभग एक बजे (स्थानीय समय) पर इस हड़ताल के बारे में पोस्ट किया। हालांकि, इससे पहले इस हड़ताल को लेकर चर्चा की जा रही थी।

एअरलाइन कंपनी ने पीएम से किया ये अनुरोध इधर, अटेंडेंट्स के हड़ताल पर जाने और यात्रियों को दिक्कत होने के की वजहों के बीच एअर कनाडा ने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की अल्पसंख्यक लिबरल सरकार से दोनों पक्षों को बाध्यकारी मध्यस्थता का आदेश देने का अनुरोध किया है। हालांकि, इस दौरान अटेंडेंट का प्रतिनिधित्व करने वाले कैनेडियन यूनियन ऑफ पब्लिक एम्प्लॉइज ने कहा है कि वह इस कदम का विरोध करता है। बता दें कि एअरलाइन ने फ्लाइट अटेंडेंट्स के लिए आगामी चार वर्षों में 38 प्रतिशत बढ़ोत्तरी की पेशकश की। इसके तहत पहले साल में 25 प्रतिशत बढ़ोतरी की बात कही गई। हालांकि, यूनियन ने इस पेशकश को अपर्याप्त बताया है। गौरतलब है कि शुक्रवार को ग्राहकों को लिखे एक नोट में, वित्तीय सेवा फर्म टीडी कोवेन के विश्लेषकों ने एअरलाइन से गतिरोध को समाप्त करने के लिए एक शांति प्रस्ताव लाने का आग्रह किया, और कहा कि निवेशक चिंतित हैं कि श्रम पर होने वाली कोई भी लागत बचत एअरलाइन की सबसे महत्वपूर्ण तिमाही में हुई कमाई के नुकसान से कम हो जाएगी।

मैक्सिको दौरे पर जाएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी, मैक्सिकन राष्ट्रपति शीनबाम से करेंगे मुलाकात

टोरंटो, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी सितंबर में मैक्सिको की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरान कार्नी राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम से मुलाकात करेंगे। यह बैठक अमेरिकी टैरिफ विवाद और 2020 के यूएसएमसीए ट्रेड डील की आगामी समीक्षा के मद्देनजर अहम मानी जा रही है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीति के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले महीने सितंबर में मैक्सिको की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वे मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम से मुलाकात करेंगे। इस बात की जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को दी, हालांकि उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर जानकारी साझा की। यह बैठक ऐसे समय में होने जा रही है जब अमेरिका

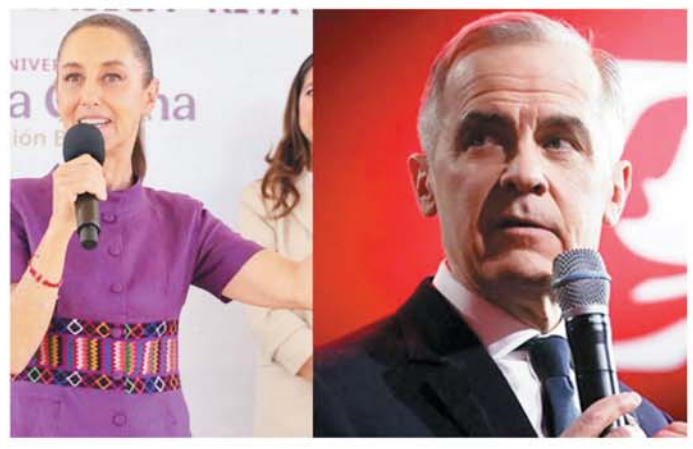

के पड़ोसी देश कनाडा और मैक्सिको अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) से जूझ रहे हैं और अगले साल यूएसएमसीए फ्री ट्रेड डील की समीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। यह व्यापार समझौता (यूएसएमसीए) 2020 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में लागू हुआ था।

बता दें कि यूएसएमसीए समझौते के तहत जो वस्तुएं इस व्यापार समझौते के नियमों को पूरा करती हैं, उन पर अमेरिका का टैरिफ लागू नहीं होता। लेकिन ट्रंप ने कुछ खास क्षेत्रों के लिए अलग टैरिफ लगा रखे हैं, जिन्हें 232 टैरिफ कहा जाता है। इन टैरिफ के तहत स्टील और एल्यूमिनियम पर 50 प्रतिशत शुल्क और ऑटोमोबाइल्स (गाड़ियों) पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है। इन टैरिफ का असर कनाडा और मैक्सिको दोनों देशों पर पड़ा है। अपने मैक्सिको दौरे से पहले प्रधानमंत्री कार्नी पहले ही अपने विदेश मंत्री और वित्त मंत्री को क्लाउडिया शीनबाम से मिलने मैक्सिको भेज चुके हैं ताकि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते और मजबूत हो सकें। इसके जवाब में राष्ट्रपति शीनबाम ने जून में कनाडा का दौरा किया था, जब ज7 सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में आयोजित हुआ था। गौरतलब है कि मैक्सिको अमेरिका और चीन के बाद कनाडा का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वहीं, कनाडा, साल 2024 में मैक्सिको का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था।

माया जंगल की रक्षा के लिए तीन देशों में समझौता, दुनिया के फेफड़े माने जाते हैं वर्षा वन

मेक्सिको, एजेंसी। ग्वाटेमाला और बेलीज के नेताओं ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे माया वर्षावनों की रक्षा के लिए एक त्रि-राष्ट्रीय प्राकृतिक आरक्षित क्षेत्र बना रहे हैं। इस बैठक में माया वन क्षेत्र में मेक्सिको रेल लाइन के विस्तार पर भी चर्चा हुई। पेड़ों की कटाई के चलते इस रेल लाइन प्रोजेक्ट की आलोचना हो रही है। माया वर्षा वन आरक्षित क्षेत्र दक्षिणी मेक्सिको और ग्वाटेमाला और बेलीज के उत्तरी भागों के जंगली इलाकों में फैला होगा, जिसका क्षेत्रफल 1.40 करोड़ एकड़ से ज्यादा है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने इस कदम को ऐतिहासिक बताया और कहा कि इससे लैटिन अमेरिका में अमेजन वर्षावन के बाद दूसरा सबसे बड़ा प्रकृति आरक्षित क्षेत्र बनेगा, जो दुनिया के लिए फेफड़े का काम करेगा और इससे प्रदूषण पर लगाम लगेगी। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो एरेवालो और बेलीज के प्रधानमंत्री जॉनी ब्रिसेनो के साथ समझौते पर हस्ताक्षर के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा, यह पृथ्वी के फेफड़ों में से एक है, हजारों प्रजातियों का घर है।

ट्रंप का कहना है कि उनके चीनी समकक्ष ने उनसे कहा है कि जब तक वह वाइट हाउस में हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस वक्त रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को खत्म करने में लगे हुए हैं। इसी बीच ताइवान के मुद्दे पर भी उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई बातचीत का जिक्र किया। ट्रंप ने पुतिन से बैठक से पहले शुक्रवार को बताया कि शी ने उनसे कहा है कि जब तक वह वाइट हाउस में हैं, चीन ताइवान पर हमला नहीं करेगा।

फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, ÷मैं आपको बता दूं ताइवान और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच में भी काफी तनाव है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि जब तक में यहां (वाइट हाउस) में हूं... तब तक ऐसा कुछ होने वाला है। हालांकि देखते हैं आगे क्या होता है।÷

ट्रंप ने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा. ÷शी से बातचीत के दौरान उन्होंने मुझसे कहा कि जब तक आप राष्ट्रपति हैं, मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह राष्ट्रपति जिनपिंग ने मुझसे कहा... मैंने उनसे कहा कि मैं इस बात की सराहना करता हूं। हालांकि इस बातचीत के बाद शी ने कहा कि वह काफी धैर्य रखे हुए हैं और चीन भी काफी धैर्यवान है।÷ गौरतलब है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान चीनी राष्ट्रपति की उनसे मुलाकात जून में हुई थी। हालांकि ट्रंप ने अप्रैल में भी कहा था कि उनकी शी जिनपिंग के साथ मुलाकात हुई है। लेकिन उन्होंने उस वक्त यह नहीं बताया था कि यह कॉल कब हुआ, जबकि जून के फोन कॉल के बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसकी पुष्टि की थी।

हिलेरी क्लिंटन इस शर्त पर करेंगी नोबेल शांति पुरस्कार के लिए डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने चौंकाने वाला ऐलान किया है। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने की वकालत की है! लेकिन एक शर्त के साथ। उन्होंने कहा है कि अगर वे यूक्रेन के किसी भी क्षेत्र को बिना रूस को सौंपे सीजफायर करा देते हैं तो बेझिझक उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कर देंगी।

हिलेरी क्लिंटन ने यह टिप्पणी अलास्का के एंकोरेज में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की महत्वपूर्ण बैठक से कुछ घंटे पहले रेजिंग मॉडरेट्स में बात करते हुए कही। उन्होंने कहा, ÷अगर ट्रंप वास्तव में इस भयानक युद्ध का अंत यूक्रेन की भौगोलिक स्थिति में

बिना बदलाव के करा सकें तो निश्चित तौर पर उनका नाम मैं नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर सकती हूं।÷

क्लिंटन ने कहा कि ट्रंप किसी मित्र से नहीं बल्कि ऐसे विरोधी से मिल रहे हैं, जो अमेरिका और पश्चिमी गठबंधन का विनाश देखना चाहता है। हिलेरी क्लिंटन और डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंदी रहे हैं। दोनों के बीच प्रतिद्वंद्विता 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से शुरू हुई थी। उस चुनाव में ट्रंप ने हिलेरी क्लिंटन को हराया था। उस चुनाव प्रचार के दौरान क्लिंटन ने पुतिन जैसे सत्तावादी नेताओं के प्रति ट्रंप की प्रशंसा की खासी निंदा की थी। ट्रंप ने भी चुनाव प्रचार के दौरान क्लिंटन का मजाक उड़ाया था और विदेश मंत्री के रूप में उनके कार्य पर सवाल उठाए थे।

राजनीतिक मतभेद के बावजूद हिलेरी क्लिटंन का रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की स्थिति में ट्रंप को नोबेल के लिए समर्थन का वादा दिखाता है कि इसमें वह अमेरिका की जीत देखती हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का वादा किया है।

हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध समाप्त करने की रूस की शर्त यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों पर दावा और पश्चिमी प्रतिबंधों की समाप्ति है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने किसी भी क्षेत्रीय रियायत को दृढ़ता से अस्वीकार कर दिया है। ऐसे में रूस-यूक्रेन संघर्ष विराम आसान नहीं होने वाला है। शुक्रवार को अलास्का में हुए शिखर सम्मेलन के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही और हम यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के करीब पहुंच गए हैं। लेकिन, तत्काल युद्धविराम की घोषणा नहीं की गई। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने किसी ठोस समझौते से इनकार करते हुए कहा कि हमारी बैठक बहुत अच्छी रही। ट्रंप ने कहा कि वह बैठक से संबंधित बातचीत की चर्चा यूरोपीय नेताओं से भी करेंगे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी बैठक को रचनात्मक और सम्मानजनक बताया।

जसप्रीत बुमराह एशिया कप में खेलेंगे या नहीं?

सेलेक्टर्स से कह दी अपने मन की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है. इस बार एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा. टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 9 सितंबर को होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है. एशिया कप से पहले भारतीय टीम को बड़ा बूस्ट मिला है. स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुद को इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध बताया है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को सूचित किया है कि वो पूरी तरह से फिट हैं और टी20 फॉर्मेट में होने जा रहे इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए उत्सुक हैं. एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है, इसके लिए मुंबई में चयनकर्ताओं की बैठक होगी. एक सूत्र ने इस अंग्रेजी अखबार से कहा, जसप्रीत बुमराह ने चयनकर्ताओं को सूचित किया है कि वो एशिया कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे. चयन समिति अगले हफ्ते बैठक करके इस पर चर्चा करेगी.

तीनों फॉर्मेट में होगा एक कप्तान!

गौतम गंभीर ने तैयार कर लिया भविष्य का रोडमैप; यहां समझें क्या है प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर अच्छे हेड कोच साबित हुए हैं या नहीं? व्हाइट बॉल मैचों की बात करें तो हां, गंभीर की रणनीतियां टीम इंडिया के पक्ष में रही हैं. वहीं टेस्ट फॉर्मेट में उनके अंडर भारतीय टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज ड्रॉ करवाने के बाद गौतम गंभीर का चेहरा आत्मविश्वास से भरा हुआ नजर आया था. बताते चलें कि गंभीर 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक भारतीय कोच बने रहेंगे और बतौर कोच पहले ही साल में उन्होंने कुछ कड़े फैसले लिए हैं. अगले 2 साल में आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स की बात करें तो सबसे पहले एशिया कप 2025 की चुनौती होगी. उसके बाद फोकस 2026 टी20 वर्ल्ड कप पर शिफ्ट हो जाएगा, लेकिन इसी दौरान टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पॉइंट्स टेबल में अच्छी स्थिति बरकरार रखनी होगी. उसके बाद 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप के लिए भी गंभीर को सख्त फैसले लेंगे होंगे, खासतौर पर अभी तक विराट कोहली और रोहित शर्मा पर कुछ साफ नहीं है. यहां जानिए बतौर कोच गौतम गंभीर भारतीय टीम के भविष्य के लिए कैसा रोडमैप तैयार कर रहे हैं?

तीनों फॉर्मेट में हो एक कप्तान

इसी साल गौतम गंभीर ने कहा था कि वो तीनों फॉर्मेट में एक कप्तान के साथ काम करना चाहते हैं, क्योंकि एक ही कप्तान के साथ काम करना आसान हो जाता है. साथ ही उन्होंने इसकी जटिलता को भी उजागर किया. गंभीर का कहना था कि टीम इंडिया साल में काफी ज्यादा क्रिकेट खेलती है, ऐसे में ऐसा कप्तान ढूंढ निकालना बहुत मुश्किल होगा, जो तीनों फॉर्मेट खेलता हो. इन दिनों चर्चा है कि भारतीय टीम को तीनों फॉर्मेट में एक ही कप्तान दिया जा सकता है. इसके लिए शुभमन गिल का नाम सामने आया है, जिन्होंने बतौर कप्तान इंग्लैंड में जाकर अपनी पहली टेस्ट ड्रॉ करवाई है. अनुभव के साथ गिल बतौर टेस्ट कप्तान और भी अधिक परिपक्व होते जाएंगे।

चोट से वापसी के बाद चमके लियोनल मेसी

इंटर मियामी की जीत में दिया योगदान; दागा एक गोल

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने चोट से वापसी पर चमक बिखेरी और इंटर मियामी की जीत में योगदान दिया। दर्शकों के भारी समर्थन के बीच मेसी ने भी अपने प्रदर्शन से फैंस को निराश नहीं किया। स्टेडियम में लगातार मेसी... मेसी के नारे गूंजते रहे। मेसी ने मैच में एक गोल किया, जबकि एक गोल करने में मदद की जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) फुटबॉल टूर्नामेंट में एलए गैलेक्सी पर 3-1 से जीत दर्ज की।

चोट के कारण दो मैच नहीं खेल सके थे मेसी

मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। इंटर मियामी उनके बिना लीग कप क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया, लेकिन एमएलएस मुकाबले में उसे अपने राज्य के प्रतिद्वंद्वी ऑरलैंडो सिटी से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा।

एशिया कप:

टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाला बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप-2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होने जा रही है। इस बार यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। यूं तो टी20 फॉर्मेट चौके और छक्कों की बरसात के लिए जाना जाता है, लेकिन हम उस खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके नाम एशिया कप (टी20 फॉर्मेट) में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड है। यह खिलाड़ी बांग्लादेश के मशरफे मुर्तजा हैं, जो तीन बार शून्य पर अपना विकेट गंवा चुके। दिलचस्प बात यह है कि मुर्तजा तीनों बार एक ही संस्करण में बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

मशरफे मुर्तजा ने एशिया कप-2016 में पांच मुकाबले खेले थे, जिसमें 22.80 की औसत के साथ कुल पांच विकेट अपने नाम किए। भले ही गेंदबाजी में इस खिलाड़ी का प्रदर्शन संतोषजनक रहा, लेकिन बल्लेबाजी में यह क्रिकेटर कुछ खास नहीं कर सका। मशरफे मुर्तजा पांचों पारियों में बल्लेबाजी के लिए उतरे और 3.50 की औसत के साथ महज 14 रन ही बना सके। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ दो ही चौके देखने को मिले। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में चरिथ असलंका, आसिफ अली, किंचित शाह, कुसल मेंडिस, हार्दिक पांड्या और दासुन शनाका संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। यह खिलाड़ी दो-दो बार बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 10 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम इंडिया का पहला मैच यूएई से होगा, जिसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच खेला जाना है। टीम इंडिया ग्रुप चरण का अपना तीसरा मैच 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलेगी। ग्रुप-ए में भारत के अलावा पाकिस्तान, ओमान और यूएई की टीमें हैं, जबकि ग्रुप-बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, हांगकांग-चाइना और अफगानिस्तान की टीमें शामिल हैं।

नया कोच आते ही सुनील छेत्री पर गिरी गाज

नेशंस कप के लिए भारत के 35 संभावित खिलाड़ियों में नाम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। काफा नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में सुनील तो हैं, लेकिन वह छेत्री नहीं हैं। भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच बनने के बाद पहली टीम का चयन करते हुए खालिद जमील ने कुछ नए चेहरों पर दांव लगाया है। इनमें सेना के डिफेंडर सुनील बेंचमिन भी शामिल हैं, जिन्होंने डूरंड कप के दौरान ध्यान खींचा। खालिद जमील की टीम से बड़ा नाम गायब है। यह बड़ा नाम सुनील छेत्री हैं, जो 2024 में संन्यास ले चुके थे। इस साल संन्यास से वापस लौटे। वह अब 29 अगस्त से ताजिकिस्तान के हिसोर में होने वाले मध्य एशियाई टूर्नामेंट के लिए भारत 35 खिलाड़ियों की संभावित सूची में भी शामिल नहीं हैं।

छेत्री को बाहर रखने का कारण नहीं आया सामने

इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है कि छेत्री को टीम में क्यों नहीं शामिल किया गया है। न तो खिलाड़ी की ओर से और न ही महासंघ की ओर से कुछ कहा गया है। महासंघ ने कहा कि 'चयन संबंधी सवाल मुख्य कोच से पूछे जाने चाहिए।' जमील ने भी कोई बयान नहीं दिया।

छेत्री के क्लब ने सैलरी रोकी

छेत्री को ऐसे समय पर नजरअंदाज किया गया है जब उनके क्लब बेंगलुरु एफसी ने हाल ही में इंडियन सुपर लीग को लेकर अनिश्चितता के कारण पहली टीम और कर्मचारियों के वेतन रोक दिए हैं। फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (लीग का संचालन करने वाली संस्था) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच समझौते के विस्तार को लेकर गतिरोध और सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले के कारण आईएसएल का भविष्य अधर में है।

बेंगलुरु के इन खिलाड़ियों को मिला मौका

जमील की टीम में बेंगलुरु के अन्य खिलाड़ी हैं, जिनमें गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम और मिडफील्डर सुरेश सिंह शामिल हैं। पूर्व कोच मनोलो मार्केज द्वारा संन्यास से वापसी के लिए मजबूर किए जाने के बाद छेत्री के टीम में न चुने जाने से उनके भविष्य पर सवाल खड़े होते हैं।

छेत्री मार्च में संन्यास से लौटे

41 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संन्यास ले लिया था। हालांकि, मार्केज के अशांत कार्यकाल में भारत के गोल करने और मैच जीतने में संघर्ष करने के बाद छेत्री मार्च में मालदीव के खिलाफ मैच में संन्यास से लौटे।

झारखंड की बेटियों ने चमकाया नाम

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में सात खिलाड़ियों का चयन

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में झारखंड की सात प्रतिभाशाली बेटियों का चयन हुआ है। यह टीम 20 से 31 अगस्त तक भूटान में आयोजित होने वाली विश्व फुटबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

गुमला की पांच, रांची और हजारीबाग की एक-एक खिलाड़ी का चयन

चयनित खिलाड़ियों में गुमला जिले से सूरज मुनि, एलिजाबेथ लाकड़ा, अनीता, विनीता और शिवानी शामिल हैं। इसके अलावा रांची (ओरमांझी) की दिव्यानी लिंडा और हजारीबाग की अनुष्का कुमारी को भी भारतीय टीम में जगह मिली है। इन सातों खिलाड़ियों के चयन से उनके परिवारों और जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है।

'मेहनत और अनुशासन का नतीजा है चयन'

भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि झारखंड की ये सातों खिलाड़ी बेहद मेहनती और अनुशासित हैं। उनके अनुसार, खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

झारखंड में जश्न का माहौल

खिलाड़ियों के चयन की खबर फैलते ही गुमला, रांची और हजारीबाग में खेल प्रेमियों में उत्साह देखा गया। स्थानीय लोग और खेल प्रेमी इन बेटियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जता रहे हैं। लोग मानते हैं कि झारखंड की ये खिलाड़ी न सिर्फ टीम का मनोबल बढ़ाएंगी, बल्कि अपने दमदार खेल से जीत में अहम भूमिका निभाएंगी।

सिनसिनाटी ओपन:

एक बार फिर आमने-सामने होंगे कार्लोस अल्कारेज और सिनर

सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भिड़ेंगे

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन का फाइनल सोमवार को खेला जाएगा। यह लगातार चौथा मौका होगा जब अल्कारेज और सिनर किसी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने हाल ही में विंबलडन के फाइनल में अल्कारेज को हराया था। स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर एक बार फिर आमने-सामने होंगे। अल्कारेज और सिनर ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज की और अब ये दोनों शीर्ष खिलाड़ी सिनसिनाटी ओपन के खिताबी मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने फ्रांस के टेरेंस एटमाने को 7-6, 6-2 से हराया। सिनर की हार्ड कोर्ट में यह लगातार 26वीं जीत है। दूसरी ओर, अल्कारेज में एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को हराकर टूर स्तर के लगातार सातवें फाइनल में जगह बनाई। अल्कारेज ने ज्वेरेव को 6-4, 6-3 से हराया और खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। सिनसिनाटी ओपन का फाइनल सोमवार को खेला जाएगा। यह लगातार चौथा मौका होगा जब अल्कारेज और सिनर किसी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने हाल ही में विंबलडन के फाइनल में अल्कारेज को हराया था।

आईएसएल के 11 क्लबों ने एआईएफएफ को पत्र लिखकर दी चेतावनी, गतिरोध का हल नहीं निकलने पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 11 क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को चेतावनी दी है कि अगर इस शीर्ष-स्तरीय घरेलू प्रतियोगिता के भविष्य को लेकर चल रहे गतिरोध का जल्द ही हल नहीं किया गया तो क्लबों के पूरी तरह से बंद होने का वास्तविक संकट बना रहेगा। आईएसएल का गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है जिस कारण चिंता बनी हुई है। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है। क्लबों ने पत्र में कहा, पिछले 11 वर्षों में निरंतर निवेश और लगातार प्रयास के माध्यम से क्लबों ने युवा विकास प्रणालियां, प्रशिक्षण अवसंरचना, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम और पेशेवर टीमें बनाई हैं। इन टीमों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की फुटबॉल साख को बढ़ाया है। यह प्रगति अब पतन की ओर बढ़ने लगी है।

अनिश्चितकाल के लिए रुका है आईएसएल का सत्र

एफएसडीएल ने एमआरए पर हस्ताक्षर नहीं होने का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र को 11 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए रोकने की घोषणा की थी जिसके बाद मौजूदा स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके बाद कम से कम तीन क्लबों ने अपनी मुख्य टीम के संचालन को रोक दिया है या खिलाड़ियों और कर्मचारियों के वेतन को निलंबित कर दिया है। क्लबों ने लिखा, यह केवल प्रशासनिक गतिरोध नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए एक अस्तित्व का संकट है। हम आपको सबसे गंभीर परिस्थितियों में लिख रहे हैं। लीग की अनिश्चितता के कारण पिछले एक दशक से प्रशंसकों, प्रायोजकों, निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल निकायों के साथ बड़ी मेहनत से बनाया गया विश्वास पर खतरा मंडरा रहा है।

सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास किया

एशिया कप में भारत की कप्तानी करेंगे, 19 अगस्त को टीम सिलेक्शन में होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। अब वे 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 34 साल के सूर्यकुमार 19 अगस्त को मुंबई में चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ मिलकर 15 सदस्यों वाली भारतीय टीम का सिलेक्शन करेंगे।

- **स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद वापसी** -सूर्यकुमार यादव ने जून 2025 में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया (लोअर-राइट एब्डॉमेन) की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब प्रोग्राम पूरा किया और अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन खत्म होने के बाद वे विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए यूनाइटेड किंगडम भी गए थे।

क्षेत्र में जगह-जगह आन -बान व शान से लहराया गया तिरंगा

बेमेतरा/नारायणपुर/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत नारायणपुर सहित क्षेत्र में 79वा स्वतंत्रता दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जहां ग्राम के ग्राम पंचायत भवन शासकीय भवन आंगनबाड़ी केंद्र उप स्वास्थ्य केंद्र शासकीय हाई स्कूल मिडिल स्कूल प्राथमिक स्कूल सहित सरस्वती शिशु मंदिर में पूरे स्वतंत्रता दिवस उत्साह और गरिमा पूर्ण वातावरण में मनाया गया, जहां कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा गीत, कविता और भाषण प्रस्तुत कर देश भक्ति की भावनाओं को प्रकट किया गया। ध्वजारोहण के बाद उन्हें बच्चों द्वारा संस्कृति कार्यक्रम में आजादी का महत्व, बलिदान का संदेश और एकता की ताकत याद दिला दी। भारत का स्वतंत्रता दिवस आजादी का प्रतीक है। यह दिन हमें उन महान सेनानियों एवं क्रांतिकारी नेताओं की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजाद कराया 15

अगस्त 1947 को भारत ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की । इस दिन को हम राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाते हैं। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले पर तिरंगा फहराया और देश को संबोधित किया। स्वतंत्रता दिवस हमें हमारी आजादी की याद दिलाता है और हमें अपने देश के प्रति गर्व महसूस करता है। यह दिन उन वीर स्वतंत्रता से सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। स्वतंत्रता दिवस हमारे देश का एक महत्वपूर्ण पर्व है जो हमें हमारी आजादी की याद दिलाती है, इन्हीं कारण से हम सब स्वतंत्रता दिवस सेनानियों को याद करके मानते हैं, जहां स्वतंत्रता दिवस का आयोजन भव्यता और गौरवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जहां पंचायत भवन,विघादायिनी शिशु मंदिर और शासकीय हाई स्कूल प्राथमिक मिडिल स्कूल सहित सभीस्कूलों में ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के उपरांत कक्षा 5वीं, 8वीं 10वीं और 12वीं के टॉपर छात्र-छात्राओं को प्रशास्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। जहां सम्मान प्राप्त करते हुए बच्चों के चेहरे पर गर्व और खुशी साफझलक रही थी। इस प्रकार के सार्वजनिक मंच पर विद्यार्थियों को सम्मानित करना उनके आत्मबल को बढ़ता है और शिक्षा के प्रति रूचि को प्रोत्साहित करता है। अभिभावकों और शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना की। गांव के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की रही सक्रिय सहभागिताः कार्यक्रम में सरपंच बिसाहू राम साहू, प्राचार्य शिवकुमारी डोडरे ,शिक्षक छबिलाल साहू, कृष्ण कुमार रायकर, कुंज लाल जायसवाल, कल्याणी साहू, नीरज कोसले, माहेश्वरी राजपूत, अनीता साहू, मलेशवर पटेल, दुर्गेश साहू, सहित पंचगण और ग्रामीणजन सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों की गारिमामयी उपस्थित रहीं।यह आयोजन गांव की सामुदायिक एकजुटता और देशभक्तित के जज्बे का प्रतीक बन गया।

कांग्रेस का संगठन विस्तार को लेकर बैठक संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बीते सोमवार को स्थानीय कांग्रेस भवन मे शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मे संगठन सृजन के अंतर्गत मंडल ,सेक्टर पुर्नगठन के संबंध में बैठक आयोजित की गई ।बैठक मे उपस्थित जहां कांग्रेस कार्यकताओं ने पार्टी की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए वही शहर ब्लॉक मंडल सेक्टर पुर्नगठन प्रभारी विजय पारख ने संबोधित करते हुए कहा कि मंडल ,सेक्टर और बूथ कमेटियों का पुर्नगठन करने जा रही है जहां पर पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं को जवाबदारी दी जाएगी।सेक्टर मंडल में बैठक कर कमेटियों को ज्यादा प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया मे अधिक सक्रियता बढ़ाने तथा बूथ स्तर पर लगातार बैठक आयोजित करने की बात कही । बैठक को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुमन गोस्वामी ने बताया कि पूर्व मे शहर मे जोन और सेक्टर कमेटियां बनी हुए है जिसका विस्तार कर शहर मे 2 मंडल और 5 से 6 सेक्टर कमेटिया बनाए जाने का प्रस्ताव जिला कांग्रेस अध्यक्ष को प्रेषित किया गया है ,पार्टी के प्रति निष्ठावान और जुझारु लोगों को पार्टी संगठन मे स्थान देगी ।उन्होंने कहा कि जल्द ही मंडल सेक्टर मे बैठक कर कमेटियों का निर्माण कर दिया जाएगा ।

बैठक को जिला महामंत्री ललित विश्वकर्मा, टी आर जनार्दन, मनोज शर्मा ने भी संबोधित किया ।बैठक मे पार्षद रीता पांडेय, रश्मि मिश्रा, प्रकाश ठाकुर , नीलम टंडन, रेहाना रवानी,अजय सेन, प्रतीक दुबे, देवचरण गोसाई,वैभव मिश्रा ,नारायण छाबड़ा, रेवेंद्र देवांगन,जनता साहू , हेमिन यादव,ओमप्रकाश साहू , चंदू शीतलानी , सहोदरा नवरंगे, सीमा साहू ,रामसजीवन टंडन,विकाश चौबे ,रोमन वर्मा, रूपसिंह साहू, , राघवेंद्र मनु,बालक दास मानिकपुरी, निलेश ठाकुर, गुरेंद्र वर्मा,कैलाश साहू ,शंकर चौहान , सुरेन्द्र वर्मा ,राहुल जोशी, उत्पल गायकवाड़, राजेन्द्र कुमार, शुभ आजमानी सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेस जन उपस्थित रहे ।

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में थाना चांपा पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ की गई सख्त कार्रवाई

धारदार हथियार के साथ 02 आरोपी चढ़े चाँपा पुलिस के हत्थे

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले में आरोपियों द्वारा धारदार हथियार के साथ आने जाने वाले लोगों को हथियार लहराकर कर रहे थे भयाक्रांत। दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। गिरफ्तार आरोपियों का नाम 1- आरोपी सत्यम दास महंत पिता मुरारी दास महंत उम्र 21 वर्ष निवासी गणेश होटल के पीछे चाँपा थाना चांपा। 2- प्रमोद दास महंत पिता कार्तिक दास महंत उम्र 25 वर्ष निवासी कोरबा रोड भीखा तालाब के पास चाँपा। मामले में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने आगामी त्योहारों के मद्देनज़र क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी

कार्रवाई करने निर्देश दिए हैं इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं स्थानीय चाँपा यदुमणि सिदार के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में थाना चाँपा से एक पुलिस टीम थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग हेतु रवाना किया गया था दौरान पेट्रोलिंग पुलिस टीम ने मुखबिर सूचना पर अलग-अलग स्थानों जिसमें रेलवे ओवरब्रिज के नीचे स्टेशन के पास तथा अग्रसेन चौक कोरबा रोड से 02 अलग अलग व्यक्तियों को धारदार हथियार के साथ पकड़ा गया दोनों आरोपियों से धारदार हथियार ज़ब्त किया गया तथा दोनों आरोपियों के विरुद्ध 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई किया जाकर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता सहित स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

व्यवहारिक प्रशिक्षण में शुद्धता पर जोर, डिजिटल क्रॉप सर्वे में कोई त्रुटि न रहे - कलेक्टर शर्मा

कलेक्टर ने खिलौरा ग्राम में किया डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुरूप खरीफ सीजन 2025 के लिए किसानों द्वारा बोई गई फसलों का डिजिटल रिकार्ड तैयार करने का कार्य बेमेतरा जिले में प्रारंभ हो गया है। इस कार्य को और अधिक पारदर्शी एवं सटीक बनाने के उद्देश्य से जिले में राजस्व अधिकारियों और पटवारियों को विशेष व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में बीते सोमवार को कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं अपर कलेक्टर डॉ. अनिल कुमार बाजपेई ने तहसील बेमेतरा के ग्राम खिलौरा में पहुंचकर डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पटवारियों से खेतों में खड़ी फसल का मोबाइल एप में एंट्री करने की

प्रक्रिया का विस्तार से परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि किसानों के खेत का सर्वे करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि फसल का प्रकार, रकबा, सिंचाई की स्थिति, खेत का भू-आकृति विवरण और आस-पास की सुविधाएँ (जैसे कुआँ, सड़क, नहर आदि) सही-सही दर्ज हों। किसी भी प्रकार की लापरवाही से सर्वे की सटीकता पर असर पड़ेगा, इसलिए पूरी गंभीरता और सावधानी से कार्य किया जाए। कलेक्टर ने बताया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे किसानों के लिए लाभकारी साबित होगा, क्योंकि इस प्रक्रिया से जिले का एक पारदर्शी और वास्तविक डाटाबेस तैयार होगा। इससे किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, बीमा दावा, आपदा राहत तथा कृषि योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि सर्वे के कार्य में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर पढ़े-लिखे चयनित युवाओं को प्रशिक्षित कर सर्वेयर नियुक्त किया गया है। इन युवाओं को आधुनिक तकनीक और मोबाइल एप के माध्यम से डाटा एंट्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर ने कहा कि इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि सर्वे कार्य भी तेजी और सटीकता से पूरा होगा। अपर कलेक्टर डॉ. बाजपेई ने भी उपस्थित राजस्व अमले से चर्चा करते हुए कहा कि यह कार्य जिले के कृषि भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कर्मचारियों और सर्वेयर युवाओं को सलाह दी कि यदि सर्वे के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी समस्या या व्यवहारिक कठिनाई आती है तो उसे तत्काल उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाएँ, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। निरीक्षण के अवसर पर कलेक्टर ने किसानों से भी संवाद कर उनकी फसलों की स्थिति और मौसम की परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से कहा कि इस बार का डिजिटल सर्वे आगे आने वाले वर्षों के लिए भी आधार बनेगा, इसलिए सभी लोग सही जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग करें। इस मौके पर तहसीलदार बेमेतरा, संबंधित पटवारी, राजस्व निरीक्षक, विभागीय अधिकारी तथा नियुक्त सर्वेयर युवा उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय बेमेतरा में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ प्रारंभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र ढोलिया, बेमेतरा में बी.एससी. एग्रीकल्चर (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का सात दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम बीते सोमवार से आरंभ हुआ। यह कार्यक्रम 18 अगस्त से 22 अगस्त 2025 तक आयोजित होगा। कार्यक्रम के प्रथम दिवस का आयोजन वर्चुअल मोड में किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को ÷सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग भवेत्÷ श्लोक के माध्यम से प्रेरित करते हुए कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि खेती केवल पारंपरिक कार्य न होकर तकनीकों के सही उपयोग से नए आयाम देने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। आईआईटी भिलाई, दुर्ग (छ.ग.) के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए बताया कि विद्यार्थी एक साथ दो डिग्रियां भी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। डॉ. एस. बी. वेरुलकर एवं डॉ. आर. पी. कुजुर ने ÷ऑपरेशनल फ्रेमवर्क ऑफ अकादमिक प्रोसेस इन द यूनिवर्सिटी÷ विषय पर व्याख्यान दिया। साथ ही उन्होंने डिजिटल लर्निंग, ऑनलाइन क्लासेस और इंडस्ट्रीङ्कइंस्टीट्यूट सहयोग की महत्ता बताते हुए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार सृजन की दिशा में मार्गदर्शन दिया।

845 नव पदोन्नत प्राचार्यों के पदांकन हेतु 20 से 23 अगस्त तक रायपुर में ओपन काउंसिलिंग

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राचार्य (टी-संवर्ग) के पदोन्नति आदेश जारी कर दिए गए हैं। इन पदोन्नत प्राचार्यों के पदांकन हेतु ओपन काउंसिलिंग का आयोजन 20 अगस्त से 23 अगस्त 2025 तक शासकीय शिक्षा महाविद्यालय परिसर, शंकर नगर रायपुर में किया जाएगा। इस काउंसिलिंग में कुल 845 नव पदोन्नत प्राचार्य शामिल होंगे। काउंसिलिंग का समय प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से निर्धारित है। प्रत्येक दिन प्रथम पाली में 150 और द्वितीय पाली में 150 इस प्रकार प्रत्येक दिन कुल 300 अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में शामिल किया जाएगा। काउंसिलिंग की तिथि एवं समय की जानकारी पदोन्नत प्राचार्यों की सूची तथा रिक्त पदों की सूची स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइटhttpsÑ//eduportal-cg-nic-in/ पर उपलब्ध कराई गई है। काउंसिलिंग प्रक्रिया में प्राथमिकता का निर्धारण वरिष्ठता और नियमावली के अनुसार किया जाएगा। व्याख्याता, व्याख्याता एल.बी., प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक शाला के पदोन्नति आदेश के लिए काउंसिलिंग हेतु प्राथमिकता निर्धारण (प्रथम चार का क्रम निर्धारण) व्याख्याता, व्याख्याता (एल.बी.), प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक शाला की वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति आदेश के सरल क्रमांक के अनुसार एक अनुपातिक सूची (व्याख्याता, व्याख्याता (एल.बी.) प्रधान पाठक (माध्यमिक शाला) 2:1:1 में तैयार की गई है। उपरोक्त अनुपात भर्ती तथा पदोन्नति नियम के अनुसार व्याख्याता 65 प्रतिशत (व्याख्याता 70 प्रतिशत तथा व्याख्याता एल.बी. का कोटा 30 प्रतिशत है) जबकि प्रधान पाठक (मा.शाला) 25 प्रतिशत के आधार पर निर्धारित है। सर्वप्रथम एक वर्ष से कम अवधि के भीतर सेवानिवृत्त होने वाले व्याख्याता, व्याख्याता एल.बी., प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक शाला को वरिष्ठता के आधार पर संस्था चयन हेतु प्राथमिकता दी जाएगी। काउंसिलिंग प्रक्रिया में दिव्यांग (महिला एवं पुरुष) को पहले प्राथमिकता दी जाएगी। तत्पश्चात् महिला तथा इसके बाद पुरूष वर्ग को वरिष्ठता के क्रम में संस्था चयन हेतु प्राथमिकता दी जाएगी। सभी पदोन्नत प्राचार्यों को अपने वर्तमान संस्था प्रमुख से प्रमाणित सेवा प्रमाण पत्र, मूल पदस्थापना संबंधी जानकारी तथा शासन द्वारा मान्य फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाना होगा। दिव्यांग अभ्यर्थियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

तादुला जलाशय से पानी छोड़ने को लेकर आशीष छाबड़ा ने लिखा कलेक्टर को पत्र

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर उनसे बेमेतरा जिले के बेरला विकासखंड में तांदुला जलाशय से नहर के माध्यम से पानी छोड़ने की मांग की है ज्ञात होगी बेमेतरा जिला अल्प वृष्टि को झेल रहा है साथ ही साथ बेमेतरा जिले में बिजली की कमी समय पर समय बिजली गुल की समस्या तथा बेमेतरा जिले में ट्रांसफार्मर एवं अन्य विद्युत साज सामान की कमी के चलते किसानों को मिलने वाली बिजली में कमी को देखते हुए जिले के उसे हिस्से में जहां जलाशय से पानी प्राप्त हो सकता है कम से कम ऐसे स्थान में अति शीघ्र पानी छोड़ने की मांग करते हुए जिला

कलेक्टर को लिखा है उनसे तांदुला जलाशय से पानी छोड़ने हेतु पहल करने की बात आशीष छाबड़ा ने की है ज्ञात हो कि पहले भी पानी की कमी होने पर तांदुला जलाशय से पानी छोड़ा जाता रहा है किंतु अब तक पानी नहीं छोड़ने से बेरला विकासखंड क्षेत्र में फसल चौपट होने के कगार पर आ चुकी है किसान परेशान है खेतों में दरारें पड़ गई है खड़ी फसल सूख रही है और ऐसे में पानी की कमी किसानों का जीना दुभर कर दिया है और भाजपा के जन् प्रतिनिधिगण अपने वसूली अभियानों में लगे हुए हैं किसानों ने की समस्या को देखते हुए पूर्व विधायक ने यह कदम उठाया है इस पत्र में पूर्व विधायक ने जलाशय से पानी नहीं छोड़े जाने की स्थिति में आंदोलन करने की बात भी कही है।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता के विजयी बने आयांश,दीपिका और डॉ कविता

रोजवुड रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी में धूमधाम से मना कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

रायपुर/मूक पत्रिका

रोजवुड रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। गणेश प्रांगण में आयोजित इस भव्य समारोह में दहीहांडी एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य आकर्षण रहा। पूरे कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना से की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने मिलकर भक्ति भाव से आरती उतारी और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मंगलगान किया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में बच्चों और महिलाओं ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। प्रतिभागियों ने समूह बनाकर मटकी तक पहुंचने का प्रयास किया और तालियों की

गड़गड़ाहट के बीच अंततः आयांश, दीपिका साहू और डॉ कविता कोसरिया ने मटकी फोड़कर विजय हासिल की।

उनकी जीत पर उपस्थित जनसमूह ने जयकारे लगाए और कार्यक्रम स्थल लंबे समय तक उत्साह और उमंग से गूंजता रहा। इस आयोजन में समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत कोसरिया, कार्यकारी अध्यक्ष राकेश दास वैष्णव, कार्यक्रम प्रभारी छन्नूलाल साहू, सचिव सौरभ सिंह तथा संयोजक मंडल के सदस्य श्रीमती सिंह मरावी और चेतन ठाकुर , मंगल साहू तथा नरेंद्र साहू विशेष रूप से मौजूद रहे। सभी ने मिलकर आयोजन की व्यवस्था को सफल बनाने में योगदान दिया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। विशेष रूप से श्रीमती पल्लवी सिंह, बी.डी. ताम्रकार, श्यामा साहू, संगम वाहने, शशी पटेल, दीपिका साहू, कौशल्या साहू, कविता कोसरिया, अपूर्वा सिंह, श्रीमती मरावी, ईश्वरी साहू, रानू साहू, दीपिका साहू, कविता सोनी,रश्मि और पूमा मजूमदार सहित अनेक महिलाओं ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर न केवल कार्यक्रम को जीवंत बनाया बल्कि उत्सव की गरिमा भी बढ़ाई। बच्चों का उत्साह पूरे कार्यक्रम में देखने लायक रहा। अद्वैत, रिंकल, काव्या, आकृति, अंशिका, वेदांत अंश, कान्हा, प्रशस्त, वंश, वंशिका, अद्विक, अभिजीत, आयांश, गीतांजलि, आद्या और सोम सहित बड़ी संख्या में बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया। बच्चों ने मटकी फोड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों से भी माहौल को आनंदमय बना दिया। डॉक्टर कविता कोसरिया द्वारा किए गए मंच संचालन की सभी ने सराहना की। इस अवसर पर कॉलोनी के निवासियों ने भारी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने दहीहांडी व मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भरपूर आनंद उठाया और कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव को यादगार बना दिया। आयोजन की सफलता पर समिति के पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।